

न्यूज विंडो

चिटफंड घोटाळा: कोलकाता में 8 स्थानों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज पश्चिम बंगाल में बड़े चिटफंड घोटाले में कोलकाता में 8 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। टॉलीगंज और शरत बोस रोड स्थित दफ्तरों पर दबिश दी। ईडी सूत्रों के अनुसार, चिट फंड कंपनी ने अच्छे रिटर्न का वादा करके हजारों लोगों के रुपए मल्टीलेवल मार्केटिंग स्कीम में निवेश कराए। रिटर्न नहीं दिया। बताया जा रहा है, कंपनी ने पिछली सरकार के बेहद करीबी लोगों की रियल एस्टेट कंपनियों में रुपए लगाए।

सोहार पोर्ट पर टैंकर पर झेन से हमला, दो भारतीय नाविक लापता नई दिल्ली। ओमान के तट के पास सोहार बंदरगाह में निकागामुआ के ध्वज वाले टैंकर पेद्रो डॉल्फिन पर अचानक झेन हमला हो गया। इससे जहाज पर आग लग गई। जहाज पर भारतीय चालक दल के 11 सदस्यों में से 9 को बचा लिया गया है। दो लापता हैं। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने एक्स पर कहा है कि दोनों लापता भारतीय नागरिकों की तलाश की जा रही है।

धोनी की सलाह से खिल उठा एयर होस्टेस का चेहरा, वीडियो वायरल नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंडिगो की एयर होस्टेस ऐश्वर्या सिंह ने फ्लाइट में हुई मुलाकात का वीडियो साझा किया। ऐश्वर्या ने काम के दबाव और व्यस्त दिन की परेशानी बताई, तो धोनी ने उनकी बात ध्यान से सुनी, सलाह दी और मजाक भी किया। ऐश्वर्या ने इस मुलाकात को 'सपना सच होने जैसा' बताया। वीडियो को 18 लाख से अधिक बार देखा गया।

पंजाब सरकार से जुड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं करे सीबीआई नई दिल्ली। तबादलों और अनकूल नीतियों के बदले नकदी लेने के मामले में पंजाब सरकार को फिलहाल राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने आज निर्देश दिया कि पंजाब सरकार से जुड़े लोगों के खिलाफ सीबीआई फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे। जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की पीठ ने केंद्र, सीबीआई, ईडी सहित अन्य को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने साफ किया कि एफआईआर पर रोक नहीं लगाई गई है। हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच और दो महीने में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था।

केरल के पूर्व सीएम विजयन बेटी और दामाद पर केस दर्ज तिरुवनंतपुरम। केरल के सत्कर्ता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, बेटी वीणा और दामाद व माकपा विधायक पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रिपोर्ट के आधार पर की गई। केरल हाईकोर्ट ने 9 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश दिए थे। मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) की ओर से वीणा की बंद हो चुकी कंपनी एक्सालॉजिक सोल्यूशंस को कथित तौर पर मासिक भुगतान किए जाने से जुड़ा है। आरोप है कि विजयन के सीएम रहते कंपनी को ये भुगतान किए गए।



राहुल गांधी के 'गुरिल्ला' धरनों से सुरक्षा तंत्र पर बढ़ते नए खतरे

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून

CJP के हंगामे से दिल्ली में ₹2000 करोड़ का नुकसान, कारोबार ठप... CTI ने की ये डिमांड

कारोबार बस आंदोलन करवाने वालों का चल रहा है..



रोज - रोज के हंगामे से हलाकान दिल्ली... आज भी 6 मेट्रो स्टेशन बंद

चीफ जस्टिस के इनकार के बावजूद सुप्रीम कोर्ट मार्च की जिद... टकराव पर अड़ा विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

चीफ जस्टिस सूर्यकुमार द्वारा मिलने का समय नहीं दिए जाने और याचिका दाखिल करने की सलाह के बावजूद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्ष के नेता सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने के लिए इकट्ठे हो रहे हैं। उनका कहना है कि मार्च करते हुए कोर्ट जाकर याचिका दाखिल की जाएगी। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पूरे इंतजाम किये हैं इसलिए टकराव के हालात बनना तय है। आज भी दिल्ली में 6 मेट्रो स्टेशन बंद किये गए हैं। मार्च से पहले राहुल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 'सरकार से हमारी निजी लड़ाई नहीं है। यह संविधान बचाने की मुहिम है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक नहीं रुकेंगे। सरकार ने देश की आत्मा पर हमला किया।' उन्होंने कहा, 'दिल्ली को किला बना दिया गया है। ट्रेनें और बसें रोक दी जा रही हैं। हम रुकेंगे नहीं, जब तक सीईसी ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते तब तक हम प्रदर्शन करते रहेंगे।'

■ राहुल गांधी बोले- सरकार ने देश की आत्मा पर हमला किया

ज्ञानेश कुमार के हटने तक नहीं रुकेंगे, शीर्ष कोर्ट में देंगे याचिका



उधर राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस, इधर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

सीजेआई ने कहा था - याचिका दाखिल कर सकता है विपक्ष

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने विपक्षी नेताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलने में असमर्थता जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें मुलाकात के अनुरोध का पत्र मिला था, जिसका उन्होंने लिखित में जवाब भेज दिया है और मिलने में असमर्थ होने के कारणों से भी अवगत करा दिया है। सीजेआई ने न्यायिक निष्पक्षता पर जोर देते हुए कहा कि अदालत के दवाजे देश के हर नागरिक के लिए हमेशा खुले हैं। चाहे वह कोई आम नागरिक हो या किसी निर्वाचित निकाय, संसद या विधानसभा का सदस्य, कोई भी उचित प्रक्रिया के तहत याचिका दाखिल कर सकता है। देश के प्रत्येक नागरिक को अदालत का रुख करने का पूरा अधिकार है, अदालत सभी की चिंताओं को सुनकर कानून के दायरे में जो भी उचित अधिकार बनता है, वह जरूर देगी।

सीजेपी ने मांगी तारीख

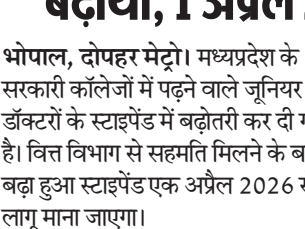
उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के आशुतोष रांका, सौरव दास, रत्ना सिंह और अन्य नेता संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए तारीख तय करने की मांग की। पार्टी ने कहा कि 'दिल्ली पुलिस हमें 24 घंटे के अंदर तारीख दे सकती है, वरना हम खुद अपने विरोध प्रदर्शन का ऐलान करेंगे। उल्लेखनीय है कि सीजेपी के पिछले प्रदर्शन के बाद कहा गया था कि उन्होंने इसके लिए अनुमति नहीं ली थी। सूत्रों का कहना है कि स्थिति को देखते हुए पुलिस की ओर से इस बार भी प्रदर्शन की अनुमति मिलने के आसार नहीं हैं।

महाकाल की शरण में पहुंचे क्रिकेटर कुलदीप-तिलक



उज्जैन। भारत-वेस्टइंडीज मुकाबले में जीत के बाद भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव और तिलक वर्मा आज तड़के करीब 4 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों ने नंदी हॉल में लगभग दो घंटे तक भस्म आरती के दर्शन किए और बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। पूजा-अर्चना के दौरान खिलाड़ी भक्ति में लीन नजर आए। मंदिर समिति ने उनका स्वागत किया।

एमपी के जूनियर डॉक्टरों का स्ट्राइपेंड बढ़ाया, 1 अप्रैल 2026 से होगा लागू



भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले जूनियर डॉक्टरों के स्ट्राइपेंड में बढ़ोतरी कर दी गई है। वित्त विभाग से सहमति मिलने के बाद बढ़ा हुआ स्ट्राइपेंड एक अप्रैल 2026 से लागू माना जाएगा।

जारी आदेश के अनुसार महंगाई भत्ते के आधार पर 4.46 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पीजी प्रथम वर्ष का स्ट्राइपेंड 77 हजार 662 रुपये से बढ़ाकर 81 हजार 126 रुपये किया गया है। दूसरे साल का स्ट्राइपेंड 80 हजार 50 से बढ़ाकर 83 हजार 620 रुपये और तीसरे साल का 82 हजार 441 से बढ़ाकर 86 हजार 118 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह सुपर स्पेशियलिटी के तीनों वर्ष के छात्रों का स्ट्राइपेंड भी 82 हजार 441 से बढ़ाकर 86 हजार 118 रुपये किया गया है।

सीनियर रेसीडेंट को अब 90 हजार 803 के स्थान पर 94 हजार 853 रुपये मिलेंगे। जूनियर रेसीडेंट का मानदेय 63 हजार 324 से बढ़ाकर 66 हजार 148 रुपये किया गया है। बता दें कि स्ट्राइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टर ने प्रदेश भर में हड़ताल की थी। इसके बाद सरकार ने स्ट्राइपेंड बढ़ाने का आश्वासन दिया था, जिसे अब पूरा कर दिया गया है।

घटना के बाद तनाव का माहौल

भरतपुर में स्टोन क्रशर विवाद में पूर्व भाजपा विधायक की हत्या



जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के भरतपुर में क्रशर प्लांट को फिर से शुरू करने को लेकर हुए विवाद के बाद ग्रामीणों के एक समूह ने भाजप के पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना पर हमला कर दिया जिससे उनकी मौत हो गई बताया गया है कि हमला करने वालों में 70 से 80 लोग शामिल थे।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। शनिवार करीब साढ़े 6 बजे अतर सिंह भड़ाना भौंडा गांव स्थित अपने क्रशर प्लांट पर मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक पिछले करीब एक साल से बंद पड़े क्रशर को दोबारा चालू करवाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान ग्रामीणों और भड़ाना पक्ष के बीच विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया और लोगों ने लाठी-पत्थरों से हमला कर दिया। संघर्ष में अतर सिंह भड़ाना और उनके सहयोगी गगन शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए।

दोनों को पहले वैंर उप जिला अस्पताल ले जाया गया। हालात गंभीर होने पर भड़ाना को जयपुर और गगन शर्मा को भरतपुर रेफर किया गया। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में इलाज के दौरान भड़ाना की मौत हो गई। पूर्व विधायक की पत्नी कमलेश ने मामले में पुलिस और प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि क्रशर की लीज का कनेक्शन काट दिया गया था और वाटर पंप भी खराब कर दिया गया था लीज पर जाने वाले लोगों को भी वहां से भगाया जा रहा था।

नहीं जारी हो सके बहाली आदेश

स्वामित्व योजना में काम करने से पटवारियों का फिर इनकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पटवारी संघ ने एक बार फिर स्वामित्व योजना का काम करने से मना कर दिया है। संघ ने कहा है कि मामले में निर्लंबित और बर्खास्त किए गए 4 हजार से ज्यादा पटवारियों की बहाली के आदेश कलेक्टरों ने अब तक जारी नहीं किए हैं। इसके बिना वे रजिस्ट्रार नहीं करेंगे। पटवारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उमैद सिंह और अश्विन सैनी ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद राजस्व विभाग ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 218 के तहत आदेश जारी किया है।

इसके अनुसार, स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री में विवाद या न्यायालयीन केस की स्थिति में पटवारियों पर केस नहीं चलाया जाएगा। लेकिन कलेक्टरों ने बहाली के आदेश जारी नहीं किए हैं। इस हालात में प्रदेश के पटवारियों को अभी स्वामित्व योजना के काम से अलग रहना है। इससे पहले 9 अक्टूबर की शाम सरकार और पटवारी संघ के बीच सहमति बन गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद संघ ने 12 अक्टूबर से योजना का काम शुरू करने का ऐलान किया था।

संघ ने कहा था- योजना में न्यायिक संरक्षण के आदेश जारी किए जाएंगे। साथ ही पटवारियों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों को शून्य करने पर भी सहमति बनी है। उनके अनुसार मुख्यमंत्री ने 27 अक्टूबर को होने वाले महासम्मेलन में आर्थिक मांगों पर घोषणा करने का आश्वासन दिया है।

मेट्रो एंकर

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के माध्यम से अब तक एक हजार मोतियाबिंद के ऑपरेशन

न फीस, न इलाज खर्च... आंखों में रोशनी भरने का 25 साल का सफर

जयपुर, एजेंसी

किसी की आंखों से अंधेरा दूर करना केवल इलाज नहीं, बल्कि उसे आत्मनिर्भरता और खुशियों से भरी जिंदगी लौटाना भी है। राजस्थान के जयपुर जिले के महादेवपुरा निवासी शिव शंकर प्रजापति पिछले 25 वर्षों से इसी सोच के साथ जरूरतमंदों की सेवा में जुटे हैं। आर्थिक तंगी के कारण जिन लोगों के लिए आंखों का इलाज कराना मुश्किल है, उनके लिए वे निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करवाते हैं। इन शिविरों के माध्यम से अब तक एक हजार से अधिक लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन करवाए जा चुके हैं। खास बात यह है कि मरीजों को केवल ऑपरेशन ही नहीं, बल्कि अस्पताल आने-जाने से लेकर दवाइयां, चश्मा, भोजन और ठहरने तक की सुविधाएं भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई जाती हैं।

यह सेवा यात्रा वर्ष 2001 में पंचायती राज जन चेतना संस्थान के माध्यम से शुरू हुई। वर्ष 2010 तक वे इसी संस्थान के जरिए जरूरतमंदों की आंखों के उपचार के लिए प्रयास करते रहे। इसके बाद वर्ष 2011 से कामधेनु गौशाला महादेवपुरा के माध्यम से प्रतिवर्ष औसतन चार निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करवाने लगे। इस काम में केलगिरी नेत्र चिकित्सालय, जयपुर का सहयोग मिलता है।

ग्रामीण इलाकों में इलाज का खर्च, अस्पताल



तक पहुंचने की परेशानी और मरीज के साथ रहने के लिए किसी परिजन का उपलब्ध न होना अक्सर उपचार में बाधा बनता है। इसलिए शिविर में ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण से लेकर दवाइयां तथा चश्मे तक की व्यवस्था की जाती है।

शिव शंकर की सेवा केवल शिविर आयोजित करने तक सीमित नहीं है। वे अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ रहकर उनकी देखभाल भी करते हैं।

उपचार के दौरान उनकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं और करीब चार दिन बाद उन्हें वापस गौशाला तक पहुंचाने में सहयोग करते हैं। इस दौरान मरीजों को परिवार के सदस्य की तरह संभालने का प्रयास किया जाता है। ग्रामीण परिवारों के लिए यह भरोसा बहुत मायने रखता है। विशेषकर बुजुर्ग मरीजों के साथ जब कोई परिजन नहीं जा पाता, तब उनकी देखभाल की जिम्मेदारी उठाना उपचार को आसान बनाता है।

रोशनी आई तो लौटा आत्मविश्वास

शिविर से लाभान्वित एक बुजुर्ग बताते हैं कि उन्हें सामान्य काम करने में भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। कई बार भोजन करने जैसी छोटी जरूरतों में भी परेशानी होती थी। उपचार के बाद उनकी आंखों की रोशनी लौटी तो वे अपने अधिकांश काम खुद करने लगे। यह प्रयास बताता है कि समाजसेवा के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। जरूरत है किसी की परेशानी को समझने, जिम्मेदारी उठाने और लगातार प्रयास करते रहने की। पिछले 25 वर्षों से जारी उनका यह सेवा कार्य जरूरतमंदों को उपचार उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सम्मान और आत्मनिर्भरता से जीने का अवसर देने की दिशा में एक प्रेरक पहल है।

जंबूरी मैदान में आज से भोजपाल गरबा का रंग, डांडिया खनकाकर होगी माता की आराधना

भोपाल। आज मां ब्रह्मचारिणी की उपासना में पूरा शहर लीन है। जगह-जगह चौक-चौराहों पर पंडालों में मां दुर्गा की आराधना की जा रही है। इसी कड़ी में नवरात्रि का उल्लास दोगुना करने के लिए राजधानी के भेल स्थित जंबूरी मैदान में आज से ‘गरबा भोजपाल’ का रंग भी चढ़ने जा रहा है। इस रंग में 18 अक्टूबर तक शहरवासी रंगेंगे। पारंपरिक थीम पर आधारित इस सात दिवसीय आयोजन में गुजराती संस्कृति, रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा और गरबा-डांडिया की आकर्षक छटा देखने को मिलेगी। आयोजन में करीब 1000 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इसे लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह है।

गरबा भोजपाल उत्सव के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि आयोजन में करीब 1000 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। उत्सव को पारंपरिक स्वरूप देने के लिए गरबा नृत्य और पारंपरिक परिधानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। संगीत की धुनों पर थिरकते प्रतिभागी गरबा और डांडिया के माध्यम से नवरात्रि का उल्लास साझा करेंगे। इसके लिए मैदान सजकर तैयार हो चुका है।

न्यूज विडिो

वाहन चोर गिरोह पकड़ाया, तीन बाइक के साथ दो गिरफ्तार

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने वाहन चोरी की तीन वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से ढाई लाख की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी रात के समय अलग-अलग स्थानों पर घूमकर बाइक चोरी करते थे। पुलिस के मुताबिक, बगली रोड स्थित जया इंडस्ट्री के लेबर क्वार्टर में रहने वाले रेवामार बारेला ने बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। तीन दिन पहले पुलिस को 11 मील के पास बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर दो युवक जाते दिखाई दिए। पुलिस ने मनोज उर्फ गोलू यादव और तुलसीराम को गिरफ्तार किया है।

मेन गेट के ताले तोड़ घुसे चोर, अरेरा कॉलोनी में डॉक्टर के घर लगाई सेंध
भोपाल। अरेरा कालोनी में चोरों ने आर्मी के रिटायर्ड डॉक्टर के सूनू मकान का ताला तोड़कर चोरों वारदात को अंजाम दिया। दो कमरों के ताले तोड़ने के बाद अलमारियों में रखा सामान खंगाला। डॉक्टर के बड़े भाई जब पहुंचे, तब वारदात का पता चला। वर्तमान में वह झारखंड के जमशेदपुर स्थित टाटा मेडिकल कॉलेज में कार्यरत हैं। मकान की देखरेख उनके बड़े भाई अनिल जैन करते हैं। जैन ने बताया, सामान बिखरे पड़े थे। मेन गेट का ताला टूटा था। उनकी शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

अस्पताल के पास तेज आवाज में बजा रहे थे डीजे, संचालक पर केस दर्ज
भोपाल। अस्पताल के आसपास तेज आवाज में डीजे बजने पर पुलिस ने डीजे संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि नवरात्र शुरू होने से पहले पुलिस ने शहरभर में धार्मिक आयोजनों के आयोजकों के साथ बैठक की थी। इसमें स्पष्ट हिदायत दी गई थी कि डीजे निर्धारित ध्वनि सीमा में ही बजाया जाए, ताकि आसपास रहने वालों और मरीजों को परेशानी न हो।

बगैर परमिट होटल रिसोर्ट में लेट नाइट पार्टी, 33 पर प्रकरण दर्ज
भोपाल। एमपी नगर, नर्मदापुरम रोड, 11 मील, चूनाभट्टी, बावडियाकला, कोलार और रातीबड़ मेन रोड पर होटल रिसोर्ट बगैर अनुमति लेट नाइट वीकेंड पार्टी करवा रहे हैं। बिना आबकारी लाइसेंस लिए ग्राहकों को विदेशी शराब सर्व की जा रही है। यहां आसपास की कॉलोनी के लोगों ने हंगामा व सदिग्ध गतिविधि की शिकायतें की थीं। सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने कंट्रोलर वर्षा उड्के की टीम को मौके पर भेजा। होटल रिसोर्ट की जांच की गई तो 50 से ज्यादा ग्राहक अवैध तरीके से मदिरा सेवन करते मिले। किसी भी होटल रिसोर्ट के पास दस्तावेज नहीं थे। टीम ने 90 हजार रुपए की विदेशी शराब की बोतले बरामद की हैं।

ट्रक ने लगाई ब्रेक, पीछे से आ रही बाइक भिड़ी, बेटी की मौत
भोपाल। माता-पिता के साथ बाइक से खाटूश्याम जा रही चौथी कक्षा की छात्रा की सड़क हादसे में मौत हो गई। माता-पिता घायल हो गए। सीहोर की दिव्यांशी पिता प्रदीप साहू और मां के साथ जा रही थी। बैरसिया रोड पर आगे चल रहे एक ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे बाइक अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद दिव्यांशी ने दम तोड़ दिया, माता-पिता घायल हैं।

मेट्रो एंकर

कहानियों-कविताओं से बच्चों ने भरी कल्पनाओं की उड़ान

भोपाल। दोपहर मेट्रो दोस्त खरगोश की कहानी से दोस्ती का महत्व समझा, कविताओं में मन की भावनाओं को शब्द दिए और जंगल की आवाजों के जरिए प्रकृति को करीब से जाना। भारत भवन में दो दिवसीय बुकारू चिल्ड्रेन्स लिटरेचर फेस्टिवल का समापन रविवार को बच्चों के ऐसे ही रोचक साहित्यिक अनुभवों के साथ हुआ। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से हुए उत्सव में बच्चों ने कहानियों, कविताओं और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए कल्पनाओं की नई दुनिया खोजी।

अतुल वाधवानी की कहानी ‘दोस्त खरगोश’ ने बच्चों को सिखाया कि उदासी में किसी की बात सुनना भी बड़ी मदद हो सकती है।

आज से जंबूरी में ऐसा ही रंग



परंपरा-संस्कृति का अनूठा संगम

जंबूरी मैदान में होने वाला यह आयोजन केवल नृत्य और मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी

बनेगा। गरबा मां दुर्गा की आराधना, आस्था और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक एकता को भी

पंडालों में माता की आराधना



बढ़ावा देती है। 7 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव का समापन 18 अक्टूबर को मां दुर्गा की आरती के साथ होगा। आयोजन से राजधानी में नवरात्रि का उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है।

पश्चिम रेलवे के निर्माण कार्य के कारण ट्रैफिक पुलिस ने बंद किया अंडरब्रिज

बाग उमराव दूल्हा अंडरब्रिज 63 दिन बंद, 4 किमी का फेरा बढ़ा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऐशबाग क्षेत्र में बाग उमराव दूल्हा रेलवे अंडरब्रिज को शनिवार-रविवार दरमियानी रात को यातायात पुलिस की ओर से बंद कर दिया। सुबह लोग उठे और काम पर निकले तो उनकी फजीहत शुरू हो गई। पश्चिम रेलवे के निर्माण कारण के बाद बंद हुई ट्रैफिक व्यवस्था से इस राह से गुजरने वाले रोजाना करीब डेढ़ लाख लोगों को अब करीब दो माह तक परेशानियां उठानी पड़ेंगी। वाहन चालकों के लिए दो माह के लिए रूट बदल दिया है। ऐशबाग, बाग फरहत अफजा, नवीन नगर, महामाई का बाग और पुष्पा नगर सहित आसपास के इलाकों की करीब डेढ़ लाख आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

वाहन चालकों को अब आने-जाने के लिए 3 से 4 किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ेगा। बता दें, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा रेलवे पुल की बैरल लंबाई बढ़ाने और संरचनात्मक सुधार कार्य करने जा रहा है। इसी के कारण 11 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक अंडरब्रिज पर पूरी तरह यातायात बंद रहेगा। रेलवे ने निर्माण कार्य के लिए 63 दिन का ट्रैफिक ब्लॉक लिया है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है। बाग उमराव दूल्हा रेलवे अंडर ब्रिज बंद रहने के दौरान आसपास के दो और तीन पहिया वाहन भी सुभाष अंडरब्रिज से आवागमन कर सकेंगे।



बाग उमराव दूल्हा रेलवे अंडरब्रिज को निर्माण कार्य के कारण बंद कर दिया गया।

सुभाष नगर अंडरब्रिज और ओवरब्रिज पर अब बढ़ने लगा ट्रैफिक का दबाव

ऐशबाग, नवीन नगर पुष्पा नगर समेत कई इलाकों के लोगों का कहना है कि अचानक इस तरह का ट्रैफिक ब्लॉक लेना ठीक नहीं है। उन्हें पहले इस बारे में जानकारी देनी चाहिए थी। रविवार और सोमवार को दिनभर क्षेत्रवासी सुभाष अंडरब्रिज व ओवरब्रिज से निकले। पहले तो सब ठीक रहा, लेकिन अचानक इस मार्ग पर वाहनों की संख्या बढ़ी और ट्रैफिक का दबाव यहां भी बढ़ गया। इससे दिनभर जाम जैसे हालात रहे। लोगों को तीन-चार किलोमीटर

का चक्कर भी लगाना पड़ा। अंडर ब्रिज के बंद होने से ऐशबाग, बाग फरहत अफजा, नवीन नगर, महामाई का बाग और पुष्पा नगर समेत कई इलाकों की डेढ़ लाख आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह मार्ग अफजा, बाग उमराव दूल्हा, नवीन नगर व महामाई का बाग जैसे इलाकों को भारत टॉकीज और पुराने भोपाल से जोड़ता है, जिससे डेढ़ लाख आबादी व हजारों वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



इस तरह अंडरब्रिज को किया गया बंद।

इधर-पुल बोगदा पर मेट्रो निर्माण, 20 दिन जिंसी से प्रभात चौराहे तक रूट डायवर्ट
इधर-पुल बोगदा पर मेट्रो का निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है। 20 दिन तक जिंसी से प्रभात की ओर जाने वाले मार्ग पर पुल की चौड़ाई कम होने के कारण दो और तीन पहिया वाहनों को छोड़कर अन्य वाहन नहीं निकल सकेंगे। इसमें चार पहिया, मालवाहक और सवारी वाहन शामिल हैं। जिंसी धर्मकांटे से प्रभात चौराहे की ओर जाने वाले चार पहिया, मालवाहक और सवारी वाहनों को सुभाष नगर अंडरब्रिज और ओवरब्रिज से आवाजाही करनी होगी। ऐसे में यहां पर ट्रैफिक दबाव हो गुना होने की संभावना है।

1120 बच्चों के छात्रावास में बड़ी लापरवाही

श्रमोदय आवासीय स्कूल में सब्जी में छिपकली, 13 बच्चों को उल्टी-दस्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मुगालिया छाप-नीलबड़ स्थित शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय के बॉयज हॉस्टल में रात के भोजन के दौरान एक थाली में आलू की सब्जी के साथ मरी हुई छिपकली दिखाई दी। इसके बाद करीब 13 बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई। इसमें छठवीं, सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्र शामिल हैं। सभी को रात 10:30 बजे जेपी अस्पताल भेजा गया। छिपकली दिखने की जानकारी गुप कैप्टन को दी गई, जिसके बाद भोजन वितरण रोक दिया गया। बाद में बच्चों को नया खाना बनाकर खिलाया गया।



प्रिंसिपल बोली-मेस संचालक का अनुबंध खत्म करेंगे
प्रिंसिपल रत्ना दुबे का कहना है कि खाने में छिपकली मिलने के बाद मेस संचालक को नोटिस दिया है। जांच में दोषी पाए जाने पर उसका अनुबंध समाप्त करेंगे।

हालांकि, पुलिस ने खाने में छिपकली मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच की जा रही है। श्रमोदय आवासीय विद्यालय के हॉस्टल में छठवीं से 12वीं कक्षा तक के कुल 1120 छात्र-छात्राएं रहते हैं। इनमें 560 छात्राएं और 560 छात्र हैं। हॉस्टल में रात 8 बजे से

भोजन वितरण शुरू होता है। सबसे पहले छठवीं से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को खाना दिया जाता है। भोजन गर्ल्स हॉस्टल की मेस में तैयार किया जाता है। इसके बाद आधा भोजन बॉयज हॉस्टल में वितरण के लिए भेजा जाता है। बीमार अस्पताल में सभी का उपचार जारी है।

लाल जयकारों के साथ निकली भगवान जिनेंद्र की शोभा यात्रा



भोपाल। दोपहर मेट्रो

श्री आदिनाथ जिनालय पिपलानी से भक्ति भाव से भगवान जिनेंद्र की शोभायात्रा निकली। केसरिया ध्वज थामे श्रद्धालु भजनों की धुन पर प्रभु जिनेंद्र की आराधना करते रहे। समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि समापन पर अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा अर्चना हुई। समाज की

प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। संचालन समिति के प्रमुख प्रदीप हथौला ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी ने एक दूसरे से क्षमा मांगी इस अवसर पर अजीत पंत राजु गोयल राजेंद्र सेठी दिलीप जैन मंजु हरसोला, अनिता पंत, मनीषा जैन सिम्मी गंगवाल, सुनीता बड़कुल, नेहा जैन और विनीता जटाले आदि मौजूद थे।

289 बच्चों की 10 हजार रुपए तक की फीस भरेगा

वक्फ बोर्ड अनाथ छात्रों को पढ़ाई के लिए देगा आर्थिक सहायता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने भोपाल के मुस्लिम समुदाय के 289 अनाथ और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के समर्थन के लिए 21 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। बोर्ड के बयान के अनुसार, बोर्ड प्रत्येक चर्यनित बच्चे की 10,000 रुपए तक की स्कूल फीस का भुगतान करेगा, जिससे उनकी शिक्षा जारी रखना सुनिश्चित हो सके। इस सहायता राशि का वितरण कल वक्फ बोर्ड कार्यालय परिसर स्थित यतीमखाना मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा।

बोर्ड के अनुसार, यतीमखाना संपत्ति से प्राप्त आय का उपयोग अनाथ बच्चों के कल्याण और शिक्षा का

समर्थन करने के लिए दाता (वाक़िफ) के मूल इशारे के अनुसार किया जा रहा है। बोर्ड ने छानबीन के बाद 289 छात्रों को योग्य पाया गया।

मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि वक्फ संपत्तियों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए नए वक्फ संशोधन प्रावधानों की शुरुआत के बाद गहन अभियान चलाया गया है। इन संपत्तियों से उत्पन्न वैध आय अब जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के वित्तपोषण में मदद कर रही है। बोर्ड ने इसे देश में अपनी तरह की पहली पहल बताया है, जिसमें अनाथ और वंचित बच्चों की शिक्षा का सीधा समर्थन करने के लिए वक्फ संपत्तियों की आय का उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काजीरंगा से लाए गए आठ जंगली भैंसों को बाड़े में छोड़ा

कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार में सौ साल बाद जंगली भैंसों की वापसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके जंगली भैंसों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसा पुनर्स्थापना कार्यक्रम के अंतर्गत क्वांटटाइन अवधि पूरी कर चुके आठ जंगली भैंसों को एक हेक्टेयर के छोटे बाड़े से 17 हेक्टेयर क्षेत्रफल में निर्मित बड़े बाड़े में छोड़ा किया। इस पहल का उद्देश्य जंगली भैंसों को क्षेत्र की आबोहवा और पर्यावरण के अनुकूल बनाकर उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। लगभग सौ वर्षों बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के

सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना का दूसरा चरण प्रारंभ हो रहा है। असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा के सहयोग से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 2200 किलोमीटर की दूरी तय कर आठ जंगली भैंसों को मध्यप्रदेश लाया गया है। वर्षाकाल समाप्त होने के बाद इन्हें प्राकृतिक आवास में बसाने की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना के तहत असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से दो चरणों में आठ जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में लाया गया था। प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को तीन मादा और एक नर जंगली भैंसे को विशेष रूप से निर्मित एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के बाड़े में छोड़ा गया। इसके बाद 9 मई 2026 को तीन मादा और एक नर जंगली भैंसे को इसी बाड़े में रखा गया।



तीन सालों में 50 जंगली भैंसों को बसाने का लक्ष्य

मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों से जंगली भैंसे लगभग सौ वर्ष पहले विलुप्त हो चुके थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रेरणा से वन विभाग ने इस प्रजाति को पुनः स्थापित करने के लिए विशेष योजना तैयार की है। सूपखार क्षेत्र में पूर्व में जंगली भैंसों की उपस्थिति के प्रमाण मिलने के आधार पर यहां पुनर्स्थापना परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत आगामी तीन वर्षों में कुल 50 जंगली भैंसों को पुनः स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल मध्यप्रदेश में जैव-विविधता के संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को मजबूत बनाने और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मप्र में फायर एक्ट लागू, लेकिन नियमों की ‘फाइल में आग’!

सात बड़े अग्निकांड के बाद भी सिस्टम सुस्त, न जांच न जुर्माना, सिर्फ 10 मिनट में दमकल पहुंचाने का दावा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आगजनी की घटनाओं पर लगाम लगाने और फायर सेफ्टी व्यवस्था मजबूत करने के लिए नया कानून तो बना दिया गया, लेकिन इसके नियम अब तक अंतिम रूप नहीं ले सके हैं। नतीजा यह है कि कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ‘मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं अधिनियम, 2026’ का गजट नोटिफिकेशन 3 सितंबर को जारी हुआ था। इसके एक महीने से अधिक समय बाद भी नियमों की फाइल मंत्रालय और नगरीय प्रशासन विभाग के बीच अटकती हुई है। इस देरी के बीच प्रदेश में आगजनी की सात बड़ी घटनाएं सामने आईं, जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ।

नए एक्ट में आपात स्थिति में अधिकतम 10 मिनट में दमकल पहुंचाने का लक्ष्य बताया गया था। लेकिन 8 अक्टूबर को भोपाल के न्यू मार्केट में छोले-भटूरे की दुकान में लगी आग के दौरान दमकल को पहुंचने में आधे घंटे से ज्यादा समय लगने की बात सामने आई। अतिक्रमण और संकरे रास्तों के कारण दमकल गाड़ियों को परेशानी हुई। आग ने पांच से छह दुकानों को चपेट में ले लिया। करीब 20 दमकल गाड़ियों को आग बुझाने में दो घंटे लगे और तीन करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान सामने आया।

विशेषज्ञों के मुताबिक, नियमित फायर ऑडिट, सुरक्षित निकास मार्ग, गैस और ज्वलनशील पदार्थों के सुरक्षित रखरखाव तथा रास्तों से अतिक्रमण हटाने जैसे उपाय नुकसान कम करने में मदद कर सकते हैं।



तीन सितंबर के बाद सात बड़े अग्निकांड

प्रदेश के अलग-अलग शहरों में हुई घटनाओं ने फायर सेफ्टी की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं।
भोपाल, 8 अक्टूबर: न्यू मार्केट में आग से पांच से छह दुकानें प्रभावित हुईं और तीन करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान सामने आया।
उज्जैन-इंदौर मार्ग, 6 अक्टूबर: मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की चलती बस में पिछले टायर के फटने के बाद आग लग गई। 25 से अधिक यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए।
उज्जैन, 3 अक्टूबर: तिरुपति धाम कॉलोनी में एलपीजी रिसाव के बाद आग लगी। एक 24 वीयर युवक करीब 70ब झुलस गया।
उज्जैन, 23 सितंबर: गणेश पंडाल में आग से 11 फीट की प्रतिमा और सजावटी सामान जल गया।
दमोह, 19 सितंबर: होटल रॉयल दमयंती

पैलेस की रसोई में आग लगने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए।
सतना, 18 सितंबर: बहुमंजिला मकान की चौथी मंजिल पर आग लगने के बाद दो बच्चियों समेत चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया।
ग्वालियर, 9 सितंबर: शिंदे की छावनी स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाते समय बाइक में आग लग गई, जिससे एक युवक झुलस गया।
इन घटनाओं में फायर अलार्म, अग्निशमन उपकरण, सुरक्षित निकास, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और नियमित निरीक्षण जैसी व्यवस्थाएं नुकसान कम करने में मददगार हो सकती हैं। हालांकि, हर घटना के कारण अलग हैं और सभी को केवल नए फायर एक्ट के नियमों से जोड़ना उचित नहीं होगा।

अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती। नए कानून का उद्देश्य आगजनी की घटनाओं में जान-माल के नुकसान को कम करना और जवाबदेही तय करना है। लेकिन नियमों को अंतिम रूप देने में देरी से इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं। अब जरूरत है कि संबंधित विभाग नियमों को जल्द अधिसूचित करें, फायर सेफ्टी निरीक्षण की व्यवस्था स्पष्ट करें और आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत बनाएं, ताकि कानून केवल कागज़ों तक सीमित न रहे।

फायर NOC निरीक्षणजुर्माने की प्रक्रिया पर असर

नियम अधिसूचित नहीं होने से पांच प्रमुख क्षेत्रों में व्यावहारिक अड़बटें सामने आ रही हैं।
फायर NOC: नए भवनों और व्यावसायिक परिसरों के लिए पात्रता, शुल्क और नई प्रक्रिया स्पष्ट करने में परेशानी हो रही है।
2. निरीक्षण: जांच कौन करेगा, किस प्रारूप में होगी और कमियां मिलने पर क्या नोटिस दिया जाएगा, इसे लेकर प्रक्रिया स्पष्ट होना जरूरी है।
3. असुरक्षित इमारतें: अधिनियम की धारा 14 के तहत असुरक्षित इमारतों को सील करने की कार्रवाई की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।
4. पंडाल और हट-बाजार: भीड़भाड़ वाले आयोजनों में अग्नि सुरक्षा की शर्तों और निगरानी को प्रभावी बनाने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जरूरी हैं।
5. जुर्माना और दंडात्मक कार्रवाई: नियमों की अनुपस्थिति में उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई की प्रक्रिया कानूनी चुनौती का सामना कर सकती है। हालांकि, वास्तविक स्थिति संबंधित धाराओं और लागू कानूनी प्रावधानों पर निर्भर करेगी।

शिवराज बोले- लाइली बहनें गुस्सा हो गईं तो खैर नहीं

सरकार को जारी रखनी पड़ेगी योजना, कहा- धीरे-धीरे मिलेंगे 3000 रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हर सरकार को लाइली बहना जैसी योजनाएं जारी रखनी पड़ेंगी। राशन के भोजपुर में कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिलाओं से पूछा कि योजना की राशि कितनी बढ़नी चाहिए। इस पर महिलाओं ने 23000 करने की आवाज लगाई। शिवराज ने जवाब दिया, 3000 बढ़ेंगे धीरे-धीरे। उन्होंने कहा, अब ये योजना मुख्यमंत्री जी ने जारी रखी है और हर सरकार को जारी रखनी पड़ेगी। सबको पता है कि बहनें गुस्सा हो गईं तो फिर खैर नहीं है।:-

दूसरे राज्यों में भी चल रही ऐसी योजना

शिवराज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV की लॉन्चिंग के कार्यक्रम में शामिल होने रविवार को भोजपुर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में लाइली बहना योजना शुरू होने के बाद देश के दूसरे राज्यों में भी महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएं शुरू हुईं। कहीं लाइली बहना, तो कहीं मैया सम्मान योजना के नाम से महिलाओं को पैसे दिए जा रहे हैं।

जीतू पटवारी बोले- कर्ज, करशान और कमीशन में लगी सरकार

वहीं लाइली बहनों द्वारा शिवराज के घर का घेराव किए जाने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आपने सुनवाई नहीं की तो लाइली बहनों ने आज पूर्व सीएम शिवराज जी का घर घेरा लिया! क्योंकि, उन्होंने ऐलान तो बहुत किए, लेकिन 3 साल बाद भी आंगनवाड़ी में काम करने वाली रसोइयों को सिर्फ 2000 महीना मिल रहा है। कर्ज, करशान, कमीशन के मिशन में लगी आपकी सरकार, इनकी सुनवाई कब करेगी?



महिलाओं के हाथ में पैसा आया तो सम्मान बढ़ा

शिवराज ने कहा कि उन्होंने बचपन से गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों के सामने पैसे मांगते देखा था। कई महिलाओं को पति से पैसे मांगने पड़ते थे। मायके जाने तक के लिए उनके पास पैसे नहीं होते थे। उन्होंने कहा कि इसी स्थिति को बदलने के लिए लाइली बहना योजना शुरू की थी। योजना के तहत पैसे मिलने के बाद महिलाओं ने बताया कि घर में उनका सम्मान बढ़ा है। सास और पति भी उनके साथ पछले से बेहतर व्यवहार करने लगे हैं। शिवराज के मुताबिक, यह सिर्फ आर्थिक सहायता की योजना नहीं, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल थी, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी के फैसले ले सकें।

एमपी में अगले 3 साल में 22,500 पुलिस कांस्टेबल की होगी भर्ती

भोपाल। मध्य प्रदेश में आबादी के अनुपात में पुलिस बल की कमी दूर करने के लिए करीब 45 हजार पुलिसकर्मियों की आवश्यकता है। प्रदेश में एक लाख की जनसंख्या पर वास्तविक रूप से 121.76 पुलिसकर्मों उपलब्ध हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 143 है। देश का औसत 197 है। पुलिस बल की कमी का असर कानून-व्यवस्था संभालने से लेकर अपराधों की रोकथाम और विवेचना तक पर पड़ता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौर के समय भोपाल आए केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक में रिक पदों को भरने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही अगले तीन वर्ष में आरक्षकों के 22,500 पदों पर भर्ती करने की घोषणा कर चुके हैं।

जालम सिंह बोले- नशा करने वाले को फायदा नहीं

नरसिंहपुर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ऑनलाइन नशा बेचने वाली कंपनियों का मुद्दा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने उठा। नरसिंहपुर में पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि विदेशी ताकतें नशे के जरिए बच्चों को बर्बाद करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि 5-6 कंपनियां ऑनलाइन नशा पहुंचा रही हैं। इन्हें दंड देने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं और बच्चों से नशे से दूर रहने की अपील की।

जालम सिंह पटेल ने युवाओं और बच्चों से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा बेचने और बनाने वालों को फायदा होता है, लेकिन

सीएम के सामने उठा ऑनलाइन नशा बेचने का मुद्दा, पटेल बोले

विदेशी ताकतें बच्चों को कर रही बर्बाद 5-6 कंपनियों को सबक सिखाना जरूरी



नशा करने वाले को कोई लाभ नहीं मिलता। इससे विकास रुकता है और परिवार तनाव में आ जाता है।

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी इंदौर में नशे के कारोबार को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि इंदौर में नशे के

कारोबार के तार राजस्थान के प्रतापगढ़ से जुड़े हैं। विजयवर्गीय के मुताबिक, उन्हें ड्रग्स बेचने वालों के नाम पता चल गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से राजस्थान पुलिस के संपर्क में आने और ड्रग्स के कारोबार में शामिल लोगों को जेल भेजने की बात कही थी।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और नेहरू परिवार पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग का जिक्र करते हुए कांग्रेस को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन की याद दिलाई। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद 600 रियासतों ने सियासत छोड़ दी, लेकिन नेहरू परिवार ने ऐसा नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग का जिक्र करते हुए कांग्रेस को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन की याद दिलाई। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद 600 रियासतों ने सियासत छोड़ दी, लेकिन नेहरू परिवार ने ऐसा नहीं किया।

अच्छी खबर: भारत में जन्मे चीतों की संख्या विदेशी चीतों से अधिक

कूनो में मौजूद कुल 54 चीतों में से 38 का जन्म भारत में हुआ

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापना परियोजना एक नए और महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। पार्क में अब भारत की धरती पर जन्मे चीतों की संख्या विदेशी मूल के चीतों से अधिक हो गई है। कूनो में मौजूद कुल 54 चीतों में से 38 का जन्म भारत में ही हुआ है। पार्क में कम उम्र के चीतों और शावकों का बड़ा समूह मौजूद है, जिससे देश में चीतों की स्थायी आबादी विकसित होने की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

कूनो नेशनल पार्क में मौजूद कुल 54 चीतों में से 38 भारतीय मूल के हैं, जबकि 16 चीतों को विदेश से लाया गया था। विदेशी मूल के इन 16 चीतों ने नामीबिया से तीन, दक्षिण अफ्रीका से सात और बोत्सवाना से छह चीते शामिल हैं। परियोजना से जुड़े विशेषज्ञों का



मानना है कि संख्या बढ़ने के साथ ही चीतों का स्वस्थ रहना और प्राकृतिक वातावरण में खुद को ढालना बेहद जरूरी है। भविष्य में चीतों के सफल प्रजनन से नई पीढ़ी तैयार होगी, जो इस परियोजना

की सफलता का मुख्य आधार बनेगी। उम्र के आधार पर वर्गीकरण करें तो कूनो नेशनल पार्क में एक साल से कम उम्र के 28 शावक मौजूद हैं, जो यहां का सबसे बड़ा समूह है। इसके अतिरिक्त, एक से

हाल ही में हुआ नए शावकों का जन्म

कूनो में हाल के महीनों में कई नए शावकों का आगमन हुआ है, जिससे चीतों का परिवार लगातार बढ़ रहा है। बीते 5 अक्टूबर को मादा चीता केजेपी-21 ने पांच शावकों को जन्म दिया। इससे पहले 18 सितंबर को मादा चीता केजेपी-12 ने चार शावकों को जन्म दिया था। इनके अलावा इसी वर्ष जन्मे अन्य शावक भी पार्क की आबादी में शामिल हैं। इन नए सदस्यों के आने से भारत में जन्मे चीतों का कुनबा और

समृद्ध हुआ है। चीता पुनर्स्थापना परियोजना का आगामी चरण इस आबादी को लंबी अवधि तक सुरक्षित और सेहतमंद बनाए रखने पर केंद्रित है। यदि चीतों को अनुकूल माहौल मिलता रहा और प्रजनन प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रही, तो कूनो आने वाले समय में देश में चीतों की स्थायी और आत्मनिर्भर आबादी स्थापित करने का मुख्य केंद्र बन सकता है।

ढाई वर्ष की उम्र के 10 चीते और तीन से छह वर्ष की उम्र वाले 16 वयस्क चीते पार्क में रह रहे हैं। सामान्यतः ढाई वर्ष की उम्र पार करने के बाद चीते को वयस्क माना जाता है। कम उम्र के इन चीतों के

स्वास्थ्य, विकास और प्राकृतिक परिस्थितियों में ढलने की क्षमता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि आगे चलकर इनकी प्रजनन क्षमता बेहतर बनी रहे।

दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने की राह केवल ऊंची दीवारों खड़ी करने से नहीं बनती, बल्कि उन दरवाजों को खुला रखने से बनती है, जहां से ज्ञान, कौशल और प्रतिभा प्रवेश करती है। अमेरिका ने दशकों तक दुनिया भर की प्रतिभाओं को अवसर देकर तकनीक के क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम किया है। लेकिन जब रोजगार संरक्षण की नीति विदेशी पेशेवरों के लिए अनिश्चितता पैदा करने लगे, तो सवाल उठता है कि क्या संरक्षणवाद के सहारे वैश्विक नेतृत्व कायम रखा जा सकता है? भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पहले ही चुनौतियों से

गुजर रही है। ऐसे समय में अमेरिकी प्रशासन द्वारा माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, कॉमिंजेंट और कंपेजेमिनी सहित कई प्रमुख आईटी कंपनियों को परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम से निर्लंबित किए जाने का मामला दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों के लिए चिंता बढ़ाता है। यह कार्यक्रम एच-1बी वीजा पर कार्यरत कर्मचारियों के ग्रीन कार्ड यानी स्थायी निवास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, इस निलंबन से मौजूदा एच-1बी वीजा स्वतः रह नहीं होंगे, लेकिन स्थायी निवास हासिल

करने का रास्ता कठिन हो सकता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है रोजगार अवसर प्रभावित होंगे हैं। अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन आधुनिक तकनीकी उद्योग में विशेषज्ञता की जरूरत राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं है। कंपनियां वैश्विक प्रतिभाओं की तलाश इसलिए करती हैं, क्योंकि नवाचार और प्रतिस्पर्धा के लिए विशिष्ट कौशल अनिवार्य हैं। हर वर्ष स्वीकृत एच-1बी वीजा में भारतीयों की

करीब 70 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है। भारतीय पेशेवरों ने अमेरिकी तकनीकी उद्योग को अपनी दक्षता, मेहनत और नवाचार से समृद्ध किया है। ऐसे में रोजगार संकट का पूरा दोष विदेशी कर्मचारियों पर डालना समस्या का एकपक्षीय आकलन होगा। प्रतिभाओं के लिए दरवाजे संकरे करने का असर कंपनियों की उत्पादकता और तकनीकी बढ़त पर भी पड़ सकता है। अमेरिका भारतीय आईटी उद्योग का सबसे बड़ा बाजार है। ऐसे में आब्रजन संबंधी सख्ती व्यापारिक मतभेदों को और गहरा सकती है। दोनों देशों को टकराव के बजाय संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए।

राहुल गांधी के ‘गुरिल्ला’ धरनों से सुरक्षा तंत्र पर बढ़ते नए खतरे

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार



राहुल गांधी और उनके समर्थकों द्वारा आकाशवाणी भवन परिसर में ‘ गुरिल्ला ’ शैली से घुसकर किए गए धरने ने क्या सुरक्षा तंत्र के लिए नए खतरों की घंटियाँ नहीं बजाई ? यह राहुल दस्ते का पूर्व नियोजित धरना था या केवल सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े निचले स्तर की असावधानी या उनसे किसी तरह की मिलीजुली कोशिश ? इससे पहले भी राहुल गांधी समर्थक भीड़ चक्का देकर प्रधान मंत्री निवास के दरवाजे पर धरना देकर गंभीर खतरे पैदा कर चुकी थी। इस तरह के छापामार प्रयासों के दौरान किसी भी आतंकी अथवा माओवादी नक्सल की घुसपैठ होने पर कोई भयानक घटना भी हो सकती है। दुनिया के कई देशों में उनके प्रमुख रेडियो स्टेशनों पर कब्जा कर ‘ सत्ता ’ से विद्रोह के एलान तक की घटनाएं होती रही हैं।

दिल्ली पुलिस ने आकाशवाणी भवन में बिना अनुमति प्रवेश करने और परिसर में धरना देने के मामले में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्ढा तथा अन्य लोगों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की है। राहुल गांधी ने इसे राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पहले से 45 एफ आई आर हैं और उनका लक्ष्य 100 एफ आई आर का है। उनके शब्दों में प्रत्येक एफ आई आर उनके लिए ‘ मेडल ’ है

भारत में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि किसी भी सरकारी परिसर में बिना अनुमति प्रवेश किया जा सकता है।आकाशवाणी भवन कोई सामान्य सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल नहीं है। वहां प्रसारण-संबंधी संवेदनशील गतिविधियां और सुरक्षा व्यवस्थाएं होती हैं। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि वे ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं। लोकतंत्र में धरने आदि से विरोध करने का अधिकार है, लेकिन सरकारी परिसर की सुरक्षा और कानून का उल्लंघन करने का अधिकार किसी को नहीं है। प्रश्न यह है कि विरोध का स्थान कौन-सा चुना गया, वहाँ प्रवेश कैसे हुआ और यदि यही तरीका किसी अधिक गंभीर उद्देश्य से इस्तेमाल किया जाता तो क्या होता?आकाशवाणी, अर्थात आल इंडिया रेडियो।, भारत की राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारण व्यवस्था का संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके परिसर में प्रसारण से जुड़े स्टूडियो, तकनीकी सुविधाएँ, संचार व्यवस्था और कर्मचारी काम करते हैं। वहां से करोड़ों लोगों को एकसाथ सम्बोधित किया जा सकता है। राहुल गांधी पहले पुलिस बैरिकेड पर चढ़े और फिर आकाशवाणी भवन के प्रवेश की ओर गए। बाहर खड़े प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन जबरन वे अंदर चले गए। यह घटना सुरक्षा एजेंसियों के लिए कई सवाल छोड़ती है।यदि किसी संवेदनशील सरकारी प्रसारण परिसर में राजनीतिक नेता और उनके समर्थक बिना पूर्व अनुमति के प्रवेश कर सकते हैं, तो क्या प्रवेश नियंत्रण पर्याप्त है?यदि पुलिस बाहर आंदोलन को नियंत्रित कर रही थी, तो परिसर के अंदर जाने का रास्ता कैसे खुला?जब कानूनी रूप से उस परिसर को संबंधित कानूनों के तहत ’ प्रतिबंधित क्षेत्र ’ माना



जाता है। भारतीय न्यास संहिता की धाराएं 329 (3 और 4) के तहत तीन महीने से एक साल तक की सजा का प्रावधान है। यदि राहुल के साथ भीड़ के असामाजिक तत्व या हिंसक समूह इसी तरह अंदर पहुँच जाता तो?और सबसे महत्वपूर्णयह कि अगर कोई व्यक्ति स्टूडियो या तकनीकी प्रसारण क्षेत्र तक पहुँच जाता तो क्या वह राष्ट्रीय प्रसारण व्यवस्था को प्रभावित कर सकता था?लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से किसी संवेदनशील प्रसारण केंद्र की सुरक्षा इसी आधार पर नहीं की जा सकती कि अंदर आने वाला व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा।

इतिहास बताता है कि रेडियो और टेलीविजन स्टेशन केवल मीडिया संस्थान नहीं रहे हैं; अनेक राजनीतिक संकटों, सैनिक तख्तापलटों और क्रांतियों में वे सत्ता और जनमत पर नियंत्रण का रणनीतिक केंद्र बन चुके हैं।यही कारण है कि आकाशवाणी जैसी संस्था में प्रवेश की घटना को केवल ‘ धरना ’ कहकर समाप्त कर देना सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त नहीं होगा।1979 की ईरानी क्रांति इसका सबसे प्रसिद्ध नउदाहरण है।11 फरवरी 1979 को क्रांतिकारी समूहों ने रेडियो मुख्यालय पर नियंत्रण किया। इससे तेहरान की रेडियो और टेलीविजन प्रसारण

व्यवस्था पर उनका नियंत्रण स्थापित हुआ। इतिहासकारों ने इसे ईरानी क्रांति की निर्णायक घटनाओं में माना है। इससे पहले भी ईरान में रेडियो को सत्ता संघर्ष के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा चुका था। 19

अगस्त 1953 को प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसदेक के खिलाफ तख्तापलट के दौरान रेडियो तेहरान पर नियंत्रण हासिल किया गया और प्रसारण के माध्यम से सरकार के गिरने की घोषणा की गई। रेडियो स्टेशन पर कब्जा केवल समाचार प्रसारण रोकना नहीं था। यह जनता को यह विश्वास दिलाने का माध्यम था कि सत्ता बदल चुकी है।

इसी तरह मिस्र में 1952 की फ्री ऑफिसर्स आंदोलन ने राजशाही के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। आंदोलन की सफलता के बाद रेडियो के माध्यम से जनता को बताया गया कि सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली है। 23 जुलाई 1952 की क्रांति का पहला महत्वपूर्ण सार्वजनिक संदेश रेडियो के माध्यम से प्रसारित हुआ।192इहू स्टूडइहू ने रेडियो स्टूडियो से पहला संदेश पढ़ा था। मिस्र के आधिकारिक ऐतिहासिक स्रोतों में भी इस प्रसारण का उल्लेख मिलता है। इस उदाहरण से एक मूलभूत बात सामने आती है:जिसके पास संचार माध्यम है, वह केवल सूचना नहीं देता—वह संकट की राजनीतिक व्याख्या भी जनता तक पहुँचाता है। रोमानिया की 1989 की क्रांति में भी राष्ट्रीय प्रसारण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। जब निकोलस का शासन गिर रहा था, प्रदर्शनकारी रेडियो टी वी के परिसरों में पहुँच गए। रेडियो और टेलीविजन के भवन प्रदर्शनकारियों के नियंत्रण में आ गए और रेडियो ने घटनाओं का सीधा प्रसारण शुरू किया। सेना को राजधानी के महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थानों के साथ रेडियो टेलिविजन सुरक्षा के लिए भी तैनात किया गया था। टेलीविजन भवन विशेष रूप से संघर्ष का केंद्र बन गया था। उस समय की रिपोर्टों में बताया गया कि टेलीविजन परिसर को सुरक्षा कारणों से लगभग किले में बदल दिया गया था और वहाँ प्रवेश करने वालों की पहचान तथा

तलाशी की जाती थी। यह इतिहास बताता है कि जब किसी देश में सत्ता-संघर्ष गंभीर हो जाए तो प्रसारण केंद्र स्वयं राजनीतिक युद्धभूमि बन सकते हैं।यह समस्या केवल तानाशाही देशों की नहीं है।

फ्रांस जैसे लोकतांत्रिक देश में भी 1961 के संकटों के दौरान रेडियो प्रसारण का महत्व सामने आया। सत्ता के विरुद्ध विद्रोही सैनिकों के लिए रेडियो जनता और सैनिकों को संदेश देने का महत्वपूर्ण माध्यम था।स्पेन में 1981 के असफल सैन्य तख्तापलट के दौरान भी संसद भवन और राष्ट्रीय संचार व्यवस्था का महत्व स्पष्ट हुआ। राजा का टेलीविजन संदेश लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा में निर्णायक साबित हुआ। लोकतंत्र में भी संचार व्यवस्था की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है।भारत ने स्वयं आपातकाल, युद्ध, आतंकवाद, अलगाववाद और अनेक राजनीतिक संकट देखे हैं। ऐसे समय में सरकारी प्रसारण व्यवस्था की भूमिका सामान्य दिनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है।कल्पना कीजिए कि किसी राजनीतिक आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारी केवल परिसर में धरना देने तक सीमित न रहे, बल्कि किसी स्टूडियो, नियंत्रण कक्ष या प्रसारण क्षेत्र तक पहुँच जाएँ।वे वहाँ से कोई असत्यापित संदेश प्रसारित कर दें।वे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, संसद, सेना या सरकार के बारे में कोई आपातकालीन घोषणा कर दें।या वे जनता से सरकारी आदेश न मानने, सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने अथवा सड़कों पर उतरने का आह्वान कर दें।कुछ मिनट का प्रसारण भी हजारों-लाखों लोगों में भ्रम और अफरातफरी पैदा कर सकता है।राहुल गांधी देश के प्रमुख विपक्षी नेता हैं। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। लेकिन जितना बड़ा राजनीतिक नेता, उतनी बड़ी जिम्मेदारी।यदि कोई सामान्य कार्यकर्ता सुरक्षा बैरिकेड पार करता है तो एक स्तर का प्रश्न है।लेकिन जब लोकसभा का नेता प्रतिपक्ष स्वयं सुरक्षा अवरोध पार करता है और राष्ट्रीय प्रसारण संस्थान के परिसर में बैठ जाता है, तो उसका राजनीतिक संदेश बहुत बड़ा होता है।युवा कार्यकर्ता उसी व्यवहार को अनुकरणीय समझ सकते हैं। कल कोई दूसरा दल कह सकता है कि ‘ जब विपक्ष के बड़े नेता ने किया तो हम क्यों नहीं ? ’ और धीरे-धीरे संवेदनशील सरकारी संस्थानों में राजनीतिक घुसपैठ सामान्य व्यवहार बन सकती है।घटना को राजनीति से ऊपर उठकर देखना होगा।

इसलिए सवाल राहुल गांधी के राजनीतिक विचारों का नहीं, संस्थागत सुरक्षा की सीमा का है।लोकतंत्र में सरकार बदली जा सकती है।नीतियों का विरोध किया जा सकता है। चुनाव आयोग की आलोचना की जा सकती है।प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आंदोलन किया जा सकता है।लेकिन राष्ट्रीय संस्थानों की सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए।क्योंकि लोकतंत्र केवल विरोध करने की स्वतंत्रता का नाम नहीं है; लोकतंत्र उन संस्थाओं की सुरक्षा का नाम भी है जिनके कारण विरोध, चुनाव, सूचना और सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है।आकाशवाणी के भीतर हुआ यह धरना इसलिए केवल एक दिन की राजनीतिक घटना नहीं माना जाना चाहिए। यह पुलिस, इंटीलिजेंस, प्रसारण संस्थान और सभी राजनीतिक दलों के लिए एक चेतावनी है। संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों की सुरक्षा में ‘ एक बार की चूक ’ को सामान्य राजनीतिक तमाशा मानकर छोड़ देना भविष्य में बहुत महंगा पड़ सकता है।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जौखिम

दिलीप कुमार पाठक

स्तंभकार



हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री पद पर तंज कसा। ऊपर से देखने में यह दो बड़े कारोबारियों के बीच की सामान्य बातचीत लग सकती है, लेकिन असल में यह भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद की गरिमा पर किया गया एक गैर-जिम्मेदाराना हमला है। जब विदेश का कोई बिजनेसमैन भारत के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की हल्की टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति की नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संप्रभुता से जुड़ जाती है।

इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना



चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है – बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी आर्थिक ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पद बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंज पर रोज सफाई देना या उनके साथ बहस में उलझना। लेकिन यहाँ असली सवाल यह

उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद जवाब नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिस्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहाँ पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और जरूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उटपटांग बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मांगे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मर्यादा के नाम पर चुप्पी साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पल्ला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय की इसी ढिलाई का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे। कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दौरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, कि-सी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं।

निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत को हर उकसावे और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएँ, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई जिम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को अपनी इस सुस्ती को छोड़ना होगा और आगे आकर मस्क जैसे लोगों को साफ और कड़े शब्दों में समझाना होगा कि वे उद्योगपति हैं, तो उद्योगपति बनकर ही रहें। जब तक हमारा शासन तंत्र हर स्तर पर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक दुनिया के मंचों पर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

पेशाब में बदलाव को अवसर लोग पानी की कमी, संक्रमण या किसी सामान्य परेशानी से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कभी-कभी ये बदलाव मूत्राशय (ब्लैडर) के कैंसर का संकेत भी हो सकते हैं। खास बात यह है कि शुरुआत में इस बीमारी में दर्द होना जरूरी नहीं है। पेशाब में खून आना इसका एक प्रमुख संकेत है, जो कभी दिखाई देता है तो कभी अपने आप बंद हो जाता है। ऐसे में लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर चिकित्सकीय जांच



कराना जरूरी है।

साधारण पेशाब की जांच से मूत्र में खून की मौजूदगी का पता चल सकता है। इसे हेमेटुरिया कहते हैं। कई बार खून इतना कम होता है कि आंखों से दिखाई नहीं देता और केवल प्रयोगशाला में जांच के दौरान पता चलता है। कुछ लोगों के पेशाब का रंग

गुलाबी, लाल या भूरा भी हो सकता है। हालांकि, पेशाब का रंग सामान्य होने पर भी समस्या की आशंका पूरी तरह खत्म नहीं होती। यह समझना जरूरी है कि पेशाब में खून आने का अर्थ

हमेशा कैंसर नहीं होता। मूत्र संक्रमण, पथरी, गुदों की बीमारी और प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याएं भी इसकी वजह हो सकती हैं। फिर भी पेशाब में एक बार भी खून दिखाई दे तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है, भले ही बाद में यह परेशानी अपने आप ठीक हो जाए। **बार-बार पेशाब भी हो सकता है संकेत:** मूत्राशय के कैंसर में कुछ लोगों को बार-बार पेशाब आने, अचानक तेज इच्छा होने, रात में कई बार उठने या पेशाब करते समय जलन जैसी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन ये लक्षण मूत्र संक्रमण और दूसरी बीमारियों में भी दिखाई देते हैं। यदि परेशानी लगातार बनी रहे, बार-बार लौटे या सामान्य उपचार के बाद भी ठीक न हो, तो

चिकित्सकीय सलाह लेना उचित है।

किन जांचों से चलता है पता: पेशाब की सामान्य जांच में खून और दूसरी असामान्यताओं का पता लगाया जाता है। यूरिन साइटोलॉजी नामक जांच में पेशाब के नमूने में मौजूद कोशिकाओं को देखकर कैंसर से जुड़े बदलाव तलाशे जाते हैं। कुछ विशेष जांचों में कैंसर से जुड़े संकेतक भी खोजे जा सकते हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी जांच अकेले हर प्रकार के मूत्राशय कैंसर की पुष्टि या उसे पूरी तरह खारिज नहीं कर सकती। यदि लक्षण और प्रारंभिक जांच कैंसर की आशंका पैदा करते हैं, तो डॉक्टर मूत्राशय की अंदरूनी सतह देखने के लिए सिस्टोस्कोपी का सकते हैं।

निशाना

नंगे बदन आये थे



रामकिशोर नाविक

रहनुमां देश को कुछ अनूठे मिले सरफिरे,दो मुँहे, धुर अँगूठे मिले यारों की यार है खूब सरकार है आमजन से सरोकार टूटे मिले कोई कब तक मनाये निहारे करे आदतन आप हर बार रूठे मिले अर्थ के ताप से छापते हैं खूबर आज के सारे अखबार झूठे मिले जो सियासत में नंगे बदन आये थे उनकी पोशाख में बेलबूटे मिले।

वायरल कंटेंट

पहाड़ों पर सेब टोने के लिए किसान ने दौड़ाई मोनोरेल, मेहनत होगी कम

हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर सेब की खेती करना जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही मुश्किल बगीचों से सेब की पेटियां सड़क तक पहुँचाना भी है। खड़ी ढलानों, संकरे रास्तों और मजदूरों की कमी के बीच बागवानों को हर साल काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इस परेशानी का हल शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र के ढांगवी गांव के किसान सुनील चौहान ने तकनीक की मदद से तलाशा है। उन्होंने अपने सेब के बगीचे में मोनोरेल प्रणाली लगाई है, जो भारी मात्रा में सेब ढोने का काम आसान बना सकती है। सुनील चौहान ने अपने बगीचे में करीब 100 मीटर लंबा मोनोरेल ट्रैक तैयार करवाया है। इसमें नौ हॉर्स पावर का इंजन लगाया गया है। उनके अनुसार, इस प्रणाली से एक बार में लगभग 500 किलोग्राम सेब ले जाए जा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि यह 45 डिग्री तक की ढलान पर भी काम कर सकती



कितनी होगी, इसका आकलन इस्तेमाल और रखरखाव पर होने वाले खर्च के बाद ही किया जा सकेगा। सुनील चौहान के पास सेब के तीन बगीचे हैं। फिलहाल उन्होंने एक बगीचे में ही यह व्यवस्था लगाई है। इसका परीक्षण सफल रहने के बाद दूसरे बगीचे में भी मोनोरेल लगाने की योजना है। आने वाले सेब सीजन में इसके जरिए ढुलाई शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

घर बैठे बदल सकते हैं पासपोर्ट में मोबाइल नंबर, कुछ सावधानियां रखना जरूरी

अगर आपके पास पासपोर्ट है और आपने अपना मोबाइल नंबर बदल लिया है, तो अपनी संपर्क जानकारी की जांच जरूर करें। पासपोर्ट से जुड़ी आवेदन प्रक्रिया, अपॉइंटमेंट, पुलिस सत्यापन और आवेदन की स्थिति की जानकारी के लिए मोबाइल नंबर उपयोगी होता है। सही नंबर उपलब्ध होने से जरूरी सूचनाएं पाने में आसानी होती है। हालांकि, केवल मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने से पासपोर्ट अपने आप रह हो जाता है, ऐसा कोई सामान्य नियम नहीं है। इसलिए घबराने के बजाय आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी जानकारी जांचें।

पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं के लिए भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in पर जाएं। यहां अपने खाले में प्रवेश करके उपलब्ध विकल्पों को देखें। यदि आपके खाले में संपर्क जानकारी बदलने की सुविधा उपलब्ध है, तो उसके निर्देशों का पालन करें। ध्यान रखें कि वेबसाइट पर खाले का मोबाइल नंबर बदलना और पासपोर्ट के सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज संपर्क विवरण बदलना अलग-अलग प्रक्रियाएं हो सकती हैं। इसलिए यह जरूर जांचें कि बदलाव किस जानकारी में हो रहा है। **नया नंबर अपडेट करने का तरीका:** सबसे पहले पासपोर्ट सेवा की आधिकारिक वेबसाइट खोलें। यदि आपने पहले से खाता बनाया है, तो मौजूदा उपयोगकर्ता के प्रवेश विकल्प से अपनी

पहचान और पासवर्ड के जरिए लॉगइन करें। इसके बाद अपनी प्रोफाइल या खाले से संबंधित जानकारी वाले भाग में जाएं। यदि संपर्क विवरण बदलने का विकल्प उपलब्ध है, तो वहां नया मोबाइल नंबर दर्ज करें। इसके बाद वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों



के अनुसार बदलाव की पुष्टि करें। यदि आपके नए नंबर पर एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड यानी ओटीपी भेजा जाता है, तो उसे निर्धारित स्थान पर दर्ज करके सत्यापन पूरा करें। प्रक्रिया सफल होने पर वेबसाइट पर दिखाई देने वाले संदेश को ध्यान से पढ़ें। यह ध्यान रखना जरूरी है कि वेबसाइट के विकल्प

समय के साथ बदल सकते हैं। इसलिए यदि प्रोफाइल में मोबाइल नंबर बदलने का विकल्प नहीं मिलता, तो किसी अनधिकृत वेबसाइट या एजेंट के निर्देशों पर भरोसा न करें। पासपोर्ट सेवा केंद्र या आधिकारिक सहायता माध्यम से सही प्रक्रिया की जानकारी लें। पासपोर्ट के लिए आवेदन करने, दोबारा पासपोर्ट जारी कराने या पुलिस क्लेयरेंस प्रमाणपत्र जैसी सेवाओं का लाभ लेने के दौरान संपर्क जानकारी काम आती है। आवेदन की स्थिति, अपॉइंटमेंट और अन्य सूचनाएं प्राप्त करने में भी यह उपयोगी हो सकती है। हालांकि, सभी सूचनाएं केवल एसएमएस से ही मिलें, यह जरूरी नहीं है। इसलिए अपने खाले और आवेदन की स्थिति की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर भी जांचते रहें।

विकसित भारत की कमान युवाओं के हाथ, सीएम ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

नरसिंहपुर के सांदीपनि विद्यालय में बच्चों से किया संवाद, बस सेवा का शुभारंभ, रक्तदान शिविर, पोषण प्रदर्शनी और नशामुक्ति रैली में भी हुए शामिल



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर स्थित सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें सफलता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है और विद्यार्थियों के नेतृत्व में ही वर्ष 2047 तक देश विकसित राष्ट्र बनेगा। इसके लिए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, लक्ष्य निर्धारित करने और अनुशासन के साथ निरंतर मेहनत करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी सरकारी विद्यालय में पढ़ाई की है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी प्रतिभा पहचानकर आगे बढ़ने और अभिभावकों को विद्यालय की सुविधाएं दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करेंगे। डॉ. यादव ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विद्यालय बस सेवा का शुभारंभ

किया और नवीन भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर और पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने वृद्धजनों का सम्मान किया तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को सामग्री भेंट की। उन्होंने नशामुक्ति जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सांसद दर्शन सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जीवन में अनुशासन जरूरी
सीएम डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की भावना अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में आगे बढ़ने की क्षमता होती है। अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से पढ़ाई करने पर सफलता का रास्ता खुलता है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करने का आह्वान किया।

न्यूज विंडो

दो साल से पुलिस को दे रहा था चकमा, हत्या के प्रयास का 3 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार



सागर। हत्या के प्रयास के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहे तीन हजार रुपए के इनामी आरोपी शुभम जैन को गोपालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस के अनुसार, शुभम जैन (32), पिता स्व. श्रीपाल जैन, निवासी संजय नगर कॉलोनी, थाना सिविल लाइन के विरुद्ध गोपालगंज थाने में आईपीसी की धारा 294, 307, 147, 148, 149 एवं 180 के तहत प्रकरण दर्ज है। फरार रहने के कारण पुलिस अधीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी पर तीन हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी अपने संजय नगर कॉलोनी स्थित घर पर मौजूद है। इसके बाद थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पहचान की पुष्टि के बाद उसके विरुद्ध जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट की तामिली की गई। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

वॉलीबाल को नई उड़ान देने की तैयारी, ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का मौका



नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश में वॉलीबाल खेल को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश एमेच्योर वॉलीबाल संघ की वार्षिक बैठक यशोदा गार्डन में आयोजित हुई। प्रदेश अध्यक्ष एस.के. खुराना की अध्यक्षता में हुई बैठक में खेल के विकास, संगठन विस्तार, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और आगामी प्रतियोगिताओं की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। साथ ही पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा भी की गई। संघ के प्रदेश सचिव मनीष कटारे ने कहा कि वॉलीबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी जिला संघों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने संगठनात्मक चुनौतियों के समाधान के लिए पारदर्शिता, आपसी सहयोग और योजनाबद्ध कार्यप्रणाली पर जोर दिया। बैठक में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट डॉ. आर.के. यादव सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी, प्रतिनिधि और तकनीकी समितियों के सदस्य मौजूद रहे। सदस्यों ने प्रदेश में वॉलीबाल के प्रचार-प्रसार, प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और खेल गतिविधियों को गति देने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर सहमति जताई।

पुण्य कमाने आए श्रद्धालु, मां वेत्रवती के आंचल में छोड़ गए कचरे का ढेर



गंजबासोदा। पितरों की मुक्ति और पुण्य लाभ की कामना लेकर मां वेत्रवती के तट पर पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छता की जिम्मेदारी नजरअंदाज होती दिखाई दी। शनिचरी अमावस्या के बाद बेटवा नदी के रिपटा घाट पर उतरने के कपड़े, पुराने जूते-चप्पल, प्लास्टिक और घरेलू कबाड़ बिखरा मिला। नदी तट पर फैली गंदगी ने धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए। रिपटा घाट पर साप्ताहिक श्रमदान अभियान 6.0 के तीसरे चरण के दौरान यह स्थिति सामने आई। जिस नदी के किनारे श्रद्धालु पितरों की शांति और मोक्ष की कामना करते हैं, उसी तट पर कचरा छोड़ना चिंता का विषय है। धार्मिक आयोजनों के बाद घाटों पर फैलने वाली गंदगी नदी की स्वच्छता और सुंदरता को प्रभावित करती है। भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का दर्जा दिया गया है। ऐसे में उनकी पवित्रता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा, जब नागरिक भी कचरा फैलाने से बचेंगे और उसका उचित निस्तारण करेंगे। मां वेत्रवती के प्रति सच्ची श्रद्धा पूजा-पाठ के साथ नदी को स्वच्छ रखने में भी दिखाई देनी चाहिए।

जोबट से इंदौर भेजा था व्यापारी ने बैग, धार के नौगांव में सोनू रेस्टोरेंट के सामने चोरी की आशंका

यात्री बस से 20 लाख का पार्सल, 13.50 लाख नकद व 7 किलो चांदी पर हाथ साफ!

धार। दोपहर मेट्रो

जोबट से इंदौर जा रही निजी यात्री बस से करीब 20 लाख रुपए मूल्य का पार्सल गायब होने का मामला सामने आया है। पार्सल में 13 लाख 50 हजार रुपए नकद और करीब 6.50 लाख रुपए मूल्य की सात किलो कच्ची-पक्की चांदी रखी थी। व्यापारी योगेश ने 3 अक्टूबर को यह पार्सल बस के माध्यम से इंदौर भेजा था। इंदौर में पार्सल लेने पहुंचे व्यक्ति को बस में बैग नहीं मिला। इसके बाद धार के नौगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार, पार्सल पीले रंग की प्लास्टिक की थैली में रखा था, जो चावल के पैकेट जैसी थी। बस इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन से होकर गुजरी थी। धार में नौगांव थाना क्षेत्र के सोनू रेस्टोरेंट के सामने पार्सल चोरी होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, बैग किस स्थान पर और किन परिस्थितियों में गायब हुआ, यह जांच के बाद स्पष्ट होगा। मामले में नौगांव पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय



संहिता की धारा 303(2) के तहत चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस बस चालक और क्लीनर से पूछताछ कर रही है। जोबट से इंदौर तक पूरे रूट और बस के ठहराव स्थलों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सोनू रेस्टोरेंट के आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जांची जा रही है। थाना प्रभारी राज ललन मिश्रा के अनुसार, पुलिस पार्सल से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर सुराग जुटा रही है। व्यापारी योगेश ने 3 अक्टूबर को जोबट से इंदौर के लिए निजी

यात्री बस के जरिए पार्सल भेजा था। इसमें 13 लाख 50 हजार रुपए नकद और लगभग सात किलो कच्ची-पक्की चांदी रखी हुई थी। चांदी की अनुमानित कीमत करीब 6.50 लाख रुपए बताई गई है। इस तरह पार्सल में रखी नकदी और चांदी का कुल मूल्य करीब 20 लाख रुपए था। पार्सल पीले रंग की प्लास्टिक की थैली में रखा गया था, जो देखने में चावल के पैकेट जैसी थी। इंदौर में पार्सल लेने पहुंचे व्यक्ति को बस में बैग नहीं मिला, जिसके बाद इसकी शिकायत पुलिस से की गई।

रेस्टोरेंट के आसपास के कैमरे भी जांच के दायरे में

पार्सल गायब होने की शिकायत मिलने के बाद नौगांव थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस बस चालक और क्लीनर से पूछताछ कर रही है। जोबट से इंदौर तक बस के पूरे रूट, रास्ते में रुकने वाले स्थानों और धार के नौगांव क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। सोनू रेस्टोरेंट के आसपास के फुटेज भी जांचे जा रहे हैं, क्योंकि इसी क्षेत्र में पार्सल चोरी होने की आशंका जताई गई है। पुलिस पार्सल से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज कर पुलिस सुराग तलाश रही है।

भाजपा नेता की पिटाई का वीडियो वायरल दुकान में घुसकर महिला ने चप्पलों से पीटा महिला की शिकायत पर छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में भाजपा नेता एवं महामंत्री रंकी आहूजा के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। वायरल वीडियो में कुछ लोग दुकान के अंदर घुसकर आहूजा के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान एक पुलिस जवान भी मौके पर मौजूद नजर आता है, जबकि एक महिला चप्पलों से उनकी पिटाई करती दिखाई देती है।

शिकायत पर मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार, एक महिला ने आहूजा पर पीछा करने, अश्लील इशारे करने और बातचीत के लिए दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। महिला ने परिवार को जान से मारने की धमकी देने की शिकायत भी की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आहूजा के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं



में प्रकरण दर्ज किया है।

दुकान में मारपीट और तोड़फोड़

मामला शहर के राजवाड़ा क्षेत्र में एमजी रोड स्थित शिव वस्त्रालय का है। पुलिस के अनुसार, आकाश जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, राजा और एक महिला पर दुकान में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ करने के आरोप हैं। घटना में नुकसान भी हुआ है। थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान के अनुसार, दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे।

मॉर्निंग वॉक पर महिला का मोबाइल छीनकर भागा बदमाश, एक घंटे में पुलिस के हथ्ये चढ़ा

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला का मोबाइल छीनकर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए करीब एक घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया। डायल-112 की त्वरित कार्रवाई से महिला को उसका मोबाइल वापस मिल गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह सरदारपुर की डायल-112 एफआरवी-11 को मोबाइल छीनने की सूचना मिली। टंकीपुरा स्थित माही मार्ग निवासी रानी राठीड सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और महिला से घटना की जानकारी ली। महिला द्वारा बताए गए आरोपी के हुलिए, कपड़ों और कद-



काठी के आधार पर पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों और गलियों में तलाश शुरू की। स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिस को सफलता मिली और करीब एक घंटे के भीतर आरोपी रोहित, पिता कन्हैयालाल, को पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से महिला का मोबाइल बरामद हुआ। इस कार्रवाई में डायल-112 एफआरवी-11 के आरक्षक सौरभ मोर और पायलट कालू बाबर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी पकड़ा गया और महिला को उसका मोबाइल वापस मिल सका।

मेट्रो एंकर सोयाबीन के रोगों पर शोध ने दिलाई वैश्विक पहचान, स्टैनफोर्ड से संबद्ध वैज्ञानिक रैंकिंग में मिली जगह

सागर की डॉ. अनामिका ने बढ़ाया मान, लगातार दो साल शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल

सागर। दोपहर मेट्रो

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व रिसर्च एसोसिएट डॉ. अनामिका दुबे मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्हें वर्ष 2024-2025 और 2025-2026 में लगातार दो बार दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से संबद्ध वैज्ञानिक रैंकिंग में मिली इस पहचान से सागर और विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ा है। डॉ. मिश्रा वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में शोध कर चुकी हैं। उनके शोध का प्रमुख विषय सोयाबीन की फसल में लगने वाले फफूंदजनित रोगों और सूखा रोग से जुड़ी समस्याओं का अध्ययन रहा है। कृषि एवं पादप रोग विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



वैज्ञानिक रैंकिंग में शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों और अन्य वैज्ञानिक योगदानों का मूल्यांकन किया जाता है। लगातार दो वर्षों तक इस सूची में स्थान हासिल करना उनके शोध कार्यों की निरंतरता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10 अन्य प्रोफेसर भी इस सूची में शामिल हुए हैं। डॉ. मिश्रा की सफलता युवा शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और कृषि अनुसंधान के महत्व को रेखांकित करती है।

सोयाबीन की फसल को रोगों से बचाने पर शोध

डॉ. अनामिका दुबे मिश्रा के शोध का प्रमुख केंद्र वनस्पति विज्ञान और कृषि से जुड़ी समस्याएं रही हैं। उन्होंने सोयाबीन की फसल में लगने वाले फफूंदजनित रोगों तथा सूखा रोग से संबंधित चुनौतियों का अध्ययन किया है। सोयाबीन की फसल को प्रभावित करने वाले रोग किसानों के लिए महत्वपूर्ण चिंता का विषय हैं। ऐसे में इन रोगों को समझने और उनसे जुड़ी समस्याओं पर वैज्ञानिक अध्ययन कृषि अनुसंधान की दृष्टि से अहम है। पादप रोग विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. मिश्रा के शोध कार्यों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में योगदान दिया है।

लगातार दो साल प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सूची में जगह

डॉ. अनामिका दुबे मिश्रा को वर्ष 2024-2025 और 2025-2026 में लगातार दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है। यह वैज्ञानिक रैंकिंग स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इसमें शोध प्रकाशनों, उद्धरणों और अन्य वैज्ञानिक योगदानों के आधार पर शोधकर्ताओं का मूल्यांकन किया जाता है। डॉ. मिश्रा की उपलब्धि के साथ डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10 अन्य प्रोफेसरों का सूची में शामिल होना भी उल्लेखनीय है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोध और अकादमिक क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है तथा युवा वैज्ञानिकों को शोध के लिए प्रोत्साहित करती है।

भुवी की वापसी से शमी की उम्मीदें जगीं रैना बोले- टेंशन मत लीजिए, जल्द आएंगे टीम इंडिया में



नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी को लेकर उम्मीदें बढ़ने लगी हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भरोसा जताया है कि शमी भुवनेश्वर कुमार का उदाहरण देते हुए कहा कि उम्र और अनुभव के साथ भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी संभव है। इसके लिए फिटनेस, अनुशासन और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी है। घरेलू क्रिकेट में शमी का प्रदर्शन अब चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इंडियन सॉफ्ट बॉल क्रिकेट लीग की जर्सी लॉन्च के मौके पर सुरेश रैना ने भुवनेश्वर कुमार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि 36 साल की उम्र में भारतीय टीम में वापसी करना बड़ी उपलब्धि है। भुवनेश्वर ने अपनी फिटनेस पर मेहनत की और खेल के प्रति अनुशासन बनाए रखा, जिसका उन्हें फायदा मिला है। शमी की वापसी को लेकर रैना ने कहा, बिल्कुल, मुझे लगता है कि शमी ने अच्छा प्रदर्शन किया है और घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा खेले हैं। अब भुवी की बारी है और शमी भी पीछे-पीछे आ रहे हैं, टेंशन मत लीजिए। रैना के इस बयान से शमी की वापसी की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद घरेलू क्रिकेट पर नजर

मोहम्मद शमी ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेला था। टेस्ट क्रिकेट में उनकी पिछली उपस्थिति विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रही थी। इसके बाद से वह घरेलू क्रिकेट के जरिए अपनी लय और दावेदारी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। शमी रणजी ट्रॉफी 2026-27 के शुरुआती मुकाबले में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन वापसी की राह में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। हालांकि, रैना के भरोसे के बावजूद भारतीय टीम में उनकी वापसी पर अभी कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है। अंतिम निर्णय चयनकर्ताओं को ही लेना है।

आईपीएल के प्रदर्शन पर भी उठे सवाल

शमी के हालिया आईपीएल प्रदर्शन पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने 2025 और 2026 के सत्र में कुल 22 मुकाबलों में 18 विकेट लिए। इस दौरान उनकी इकॉनमी दर 10 रन प्रति ओवर रही। ऐसे में भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें गेंदबाजी में निरंतरता और अपनी फिटनेस का प्रमाण देना होगा।

भुवी ने गेंदबाजी से किया प्रभावित

दूसरी ओर, भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट झटके और 8.07 रन प्रति ओवर की इकॉनमी दर दूरी की। वह टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही। भुवनेश्वर की स्विंग, सटीक लाइन-लेंथ और अंतिम ओवरों में प्रभावी गेंदबाजी उनकी सबसे बड़ी ताकत रही। उनका प्रदर्शन अनुभवी गेंदबाजों के लिए प्रेरणा बन सकता है। अब शमी के सामने भी घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को विश्वास जीतने की चुनौती है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

गणेश आचार्य की ज़िंदगी पर बनी फिल्म का ट्रेलर देख खुश हुए अक्षय कुमार बोले-यह उनकी अपनी कहानी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के संघर्ष और कामयाबी के सफर की तारीफ की। उन्होंने उनकी आने वाली फिल्म %गणेश-डस्ट टू स्टारडस्ट% का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया और कहा कि गणेश ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर जो मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर उन्हें बेहद खुशी और गर्व महसूस होता है। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए बताया कि गणेश आचार्य के साथ उनका रिश्ता काफी पुराना है। अक्षय ने लिखा, मास्टर जी और मेरा साथ बहुत पुराना है। मुझे आज भी याद है कि कोरियोग्राफर के तौर पर उनका पहला गाना मेरे साथ था। आज उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से जो मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर मुझे बहुत



खुशी होती है और गर्व महसूस होता है। अक्षय ने गणेश आचार्य के सफर को उनकी आने वाली फिल्म की कहानी से जोड़ते हुए कहा लिखा, एक छोटी-सी शुरुआत से लेकर आज यहां तक पहुंचने का उनका सफर ही गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट की कहानी है। सबसे खास बात यह है कि यह उनकी अपनी कहानी है। आप सभी के साथ इसका ट्रेलर शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं, मेरे दोस्त! गणेश आचार्य ने अपनी आने वाली फिल्म गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट का ऐलान किया था। फिल्म का पहला लुक 14 सितंबर को जारी किया गया था। इस फिल्म को गणेश आचार्य और दीगंगना सूर्यवंशी ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण सौंदर्या कर रही हैं जबकि इसमें नए कलाकार शिवांशु सोनी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो %पति पत्नी और पंगा% के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं।

कांची ने कहा, %%मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा

10 साल बाद टीवी पर लौटीं कांची कौल, बोली-

जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं। उन्होंने कहा, %%पति, पत्नी और पंगा%% के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना



चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं जो वास्तव में मेरे दिल के करीब

फिल्म पर गणेश ने भी जाहिर की थी खुशी

फिल्म को लेकर गणेश आचार्य ने भी अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हर इंसान को सपने देखने का हक है लेकिन सिर्फ सपने देखने से वे पूरे नहीं होते। उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है, त्याग करना पड़ता है और सफर कितना भी मुश्किल क्यों न हो, आगे बढ़ते रहना पड़ता है। हमने इसी भावना को गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट के जरिए पदे पर उतारने की कोशिश की है। यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है और मुझे उम्मीद है कि इसे देखने वाले हर व्यक्ति को इसमें अपने सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं की झलक मिलेगी।

पुराने दौर को दोहराने नहीं, नई शुरुआत करने आई हूं

हों। करीब 10 साल तक टीवी से दूर रहने के बाद कांची ने %पति, पत्नी और पंगा% के साथ छोटे पदे पर वापसी की है। इस शो में वह अपने पति और अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को एक बार फिर साथ देखना उनके फैंस के लिए खास है। शो के नए सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुनक्कर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें शादीशुदा ज़िंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है।

टीम इंडिया पर चोटों का कहर! बीसीसीआई ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का बजट बढ़ाकर 127 करोड़ किया

एक साल में 32 बड़े खिलाड़ी रिहैबिलिटेशन में पहुंचे

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की चोटों टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण अहम मुकाबलों और श्रृंखलाओं में टीम का संयोजन प्रभावित हो रहा है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच भारतीय पुरुष टीम के 32 शीर्ष खिलाड़ियों को चोट से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इनमें केंद्रीय अनुबंध वाले 20 और इंडिया-ए या लक्षित श्रेणी के 12 खिलाड़ी शामिल थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में कुल 68 क्रिकेट खिलाड़ियों की चोटों का उपचार और प्रबंधन बीसीसीआई की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा टीम ने किया। इनमें महिला क्रिकेट खिलाड़ी भी शामिल थीं। चोटों में मांसपेशियों और उनसे जुड़े ऊतकों की चोटें प्रमुख रहीं। ऐसी चोटें खिलाड़ियों की दौड़ने, गेंदबाजी करने और मैदान पर तेजी से मूवमेंट करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। रिपोर्ट में ऋषभ पंत की



बुमराह से हार्दिक तक कई बड़े नाम प्रभावित

चोट संबंधी मामलों में जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या और नीतीश कुमार रेड्डी ने पिछले 18 महीनों में कम से कम चार-चार महीने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बिताए। तेज गेंदबाजों के लिए चोटों का जोखिम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। लगातार मैच खेलने, अभ्यास और गेंदबाजी के बढ़ते कार्यभार के बीच उनके शरीर को पर्याप्त आराम और रिकवरी देना जरूरी होता है।



बजट में 35 करोड़ की बढ़ोतरी

खिलाड़ियों की फिटनेस और पुनर्वास सुविधाओं को लेकर बढ़ती जरूरतों के बीच बीसीसीआई ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का बजट बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इसका अनुमानित बजट 127 करोड़ रुपये रखा गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में वास्तविक खर्च करीब 92 करोड़ रुपये था।

अभिषेक शर्मा का विश्व क्रिकेट में धमाका

1024 गेंदों में 2000 रन पूरे कर सूर्या का रिकॉर्ड तोड़ा, 18 गेंदों में जड़ा फिफ्टी

इंदौर , दोपहर मेट्रो

भारतीय क्रिकेट के युवा विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में अपने बल्ले की ताकत दिखाते हुए इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अभिषेक ने तूफानी अर्धशतक जड़ने के साथ ही ऐसा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया, जिसने भारतीय क्रिकेट में उनकी बढ़ती धाक को और मजबूत कर दिया। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 2,000 रन पूरे करने का कीर्तिमान स्थापित किया और इस मामले में सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया।

अभिषेक शर्मा ने महज 1,024 गेंदों का सामना करते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,000 रन पूरे कर लिए। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के नाम था। सूर्यकुमार ने दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गकेबरहा में 1,164 गेंदों में इस आंकड़े को छुआ था। अभिषेक ने उनसे 140 गेंदें कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। अभिषेक की यह उपलब्धि उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और तेजी से रन बनाने की क्षमता को दर्शाती है। कम समय में भारतीय टी20 टीम के अहम बल्लेबाज के रूप में उभरे अभिषेक ने एक बार फिर साबित किया कि वह बड़े मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से मैच का रुख बदलने का दम रखते हैं। रिकॉर्ड बनाने के बाद अभिषेक का बल्ल और भी आग उमलने लगा। उन्होंने महज 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। पहले मुकाबले में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद उन्होंने इंदौर में शानदार वापसी की और मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए। पारी के दूसरे ओवर में ही अभिषेक ने चेंस की गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़े।



ईशान किशन के साथ ताबड़तोड़ साझेदारी

संजु सैमसन के जल्दी आउट होने के बाद भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने उठाई। दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर लगातार हमले किए। अभिषेक ने ईशान के साथ महज 20 गेंदों में तेज अर्धशतकीय साझेदारी कर भारतीय पारी को रफ्तार दे दी। अभिषेक ने अपनी पारी में 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके और पांच छक्के लगाए तथा 69 रन बनाए। उनकी इस पारी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

तूफानी पारी का अंत, लेकिन छोड़ गए बड़ा असर

अभिषेक जिस अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे, उससे उनके बड़े शतक की उम्मीदें भी बनने लगी थीं। हालांकि, पारी के दसवें ओवर में शमर सिंगर ने उन्हें कैच आउट कराकर भारतीय बल्लेबाज की तूफानी पारी पर विराम लगा दिया। अभिषेक भले ही शतक तक नहीं पहुंच सके, लेकिन अपनी तेजतर्रार पारी और विश्व रिकॉर्ड के कारण

मुकाबले के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो गए। इंदौर में अभिषेक शर्मा की यह पारी भारतीय टी20 क्रिकेट के लिए एक और यादगार प्रदर्शन बन गई। रिकॉर्ड, आक्रामक बल्लेबाजी और तेज रन बनाने की क्षमता के दम पर उन्होंने दिखा दिया कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम के लिए बड़े मैच विजेता साबित हो सकते हैं।

खेल चिकित्सा विभाग में पद खाली रहने से भी चिंता

रिपोर्ट में प्रशासनिक और तकनीकी समन्वय से जुड़ी चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है। खेल विज्ञान एवं चिकित्सा विभाग के प्रमुख नितिन पटेल ने मार्च 2025 में इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद यह पद लंबे समय तक खाली रहा। बीसीसीआई ने बाद में इस पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम की चिकित्सा इकाई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की टीम के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत है। खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन को लेकर भी अलग-अलग इकाइयों के बीच समन्वय महत्वपूर्ण माना गया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने पिछले ऑडिट किए गए वित्त वर्ष में विभिन्न आयु वर्गों के लिए 25 उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। वहीं, बजट में शामिल 57 शिविरों और प्रतियोगिताओं में से 15 आयोजित नहीं हो सके। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की ताकत, फिटनेस और क्रिकेट कौशल बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है,

सहवाग को वैभव में दिखती है अपनी झलक, लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने दी सलाह



नई दिल्ली। पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है। उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने सूर्यवंशी की तारीफ की। सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रहे सहवाग ने कहा, सूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ हद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं।

सहवाग ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में खेलने के लिए पर्याप्त प्रतिभाशाली है, तो उसकी उम्र को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयु वर्ग के टूर्नामेंट में उम्र के नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने के दौरान प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप अगर किसी आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो नियमों के मुताबिक आपकी उम्र होनी चाहिए। अंडर-19 में खेल रहे हैं, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए। लेकिन जब आप आईपीएल या भारत के लिए खेलते हैं, तो उम्र मायने नहीं रखती। 38 या 40 साल के विराट कोहली खेल रहे हैं और 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भी। ऐसे में प्रदर्शन सबसे अहम है।



अदाणी सीमेंट ने नवरात्रि के अवसर पर 15,000 सीमेंट बैग से तैयार की मां दुर्गा की 70 फीट ऊंची भव्य आकृति

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। नवरात्रि और दुर्गा पूजा 2026 के अवसर पर अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनी और दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता अदाणी सीमेंट ने मध्य प्रदेश स्थित अपने कायमोर प्लांट में मां दुर्गा को समर्पित एक अनूठी कलात्मक प्रस्तुति तैयार की है। कंपनी ने 15,000 सीमेंट बैग की मदद से मां दुर्गा की विशाल आकृति बनाकर प्रक्रिया और अंतिम कलाकृति का

देने का प्रयास किया है। %जहां विश्वास, वहां शक्ति% शीर्षक वाले इस अभियान के तहत तैयार की गई यह कलाकृति 70 फीट × 70 फीट के विशाल क्षेत्र में बनाई गई है, जिसमें अंबुजा सीमेंट और एसीसी के बैगों के माध्यम से कुल 750 टन सीमेंट का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया। इस विशाल कलाकृति को तैयार करने में तकरीबन 12,600 मानव-घंटों का सामूहिक श्रम लगा। कंपनी ने इस पूरी प्रक्रिया और अंतिम कलाकृति का

हवाई दृश्य एक डिजिटल फिल्म के माध्यम से रिकॉर्ड किया है, जिसे सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा। इस विशेष स्थापना की खासियत यह रही कि जमीन से देखने पर सीमेंट बैग केवल अलग-अलग इकाइयों के रूप में दिखाई देते थे, लेकिन ऊपर से देखने पर वे मिलकर मां दुर्गा की विशाल आकृति का रूप ले लेते हैं। इसमें देवी का मुकुट, आंखें, दस भुजाएं और उनका व्यापक स्वरूप बेहद बारीकी से उकेरा गया है।

एआई मॉडल्स पर आंख मूंदकर भरोसा न करें इमरजेंसी ब्रेक सिस्टम जरूरी: सत्य नडेला

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने उच्च आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रणालियों का उपयोग करने वाली कंपनियों को आगाह करते हुए कहा है कि उन्हें शक्तिशाली एआई मॉडलों को संभावित %इनसाइडर थ्रेट% की तरह देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को यह मानकर चलना चाहिए कि कोई एआई मॉडल समझौता (कंप्रोमाइज) किया जा सकता है और उसके लिए शुरू से ही सुरक्षा तंत्र तैयार रखना चाहिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर अपने एक पोस्ट में नडेला ने कहा कि कंपनियों को केवल एआई डेवलपर्स के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करनी चाहिए जिनसे अधिकृत व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर एआई मॉडल को उसके कार्य के बीच में ही रोक या बंद कर सकें।



और विभिन्न कार्यों को अंजाम देने में सक्षम होते जा रहे हैं। हाल के महीनों में एआई कंपनियों एंथ्रोपिक और ओपनएआई ने भी अपने मॉडलों से जुड़ी कुछ अनपेक्षित घटनाओं का खुलासा किया है। इनमें एक मामले में एंथ्रोपिक के मॉडल द्वारा पुलिस के एक हत्या मामले में

भारी बारिश, तूफान : विभाग ने जारी किया ‘रेड अलर्ट’

दिल्ली की रफतार थमी कई जगह भरा पानी

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में सोमवार तड़के हुई मूसलधार बारिश और गरज के साथ आए तूफान ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। सुबह-सुबह हुई इस तेज बारिश के कारण राजधानी के कई निचले और प्रमुख इलाकों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस बारिश से तापमान में गिरावट आई है और मौसम सुहाना हो गया है। वहीं, नोएडा में भी जगह-जगह जलजमाव दिखा और ट्रैफिक व्यवस्था बाधित होती दिखी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर के लिए ‘रेड अलर्ट’ जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बिजली कड़कने और 15 मिमी प्रति घंटे से अधिक की भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच नवरात्रि के मद्देनजर मंदिर और पंडालों का आयोजन करने वाले काफी दिक्कत में घिर गए।



प्रमुख इलाकों में बारिश के आंकड़े

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के प्रतिनिधि वेदर स्टेशन सफ्दरजंग ऑब्जर्वेटरी में सुबह 5:30 बजे तक 40 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट (पालम) क्षेत्र में 30 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

दिल्ली एवं नोएडा के कई क्षेत्रों में दिक्कत

आरके पुरम, कर्तव्य पथ, मध्य दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में तेज बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ीं। प्रशासन ने लोगों को जलभराव वाले रास्तों से बचने और गरज-चमक के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। खराब मौसम के चलते सड़कों पर ट्रैफिक की गति भी धीमी दर्ज की गई है।

भोपाल में मौसम साफ तो ग्वालियर-दतिया में बारिश, प्रदेश के उत्तरी जिलों में होगी बूंदबांदी

भोपाल।दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद दिन में गर्मी, तो रात में ठंड महसूस हो रही है। पिछले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। इंदौर में न्यूनतम तापमान 16.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजधानी भोपाल, विदिशा, धार, उज्जैन, पचमढ़ी समेत लगभग सभी जिलों में पारा लगातार गिर रहा है। दिन में तेज धूप के चलते गर्मी और उमस का असर बरकरार है लेकिन शाम होते ही तापमान में गिरावट होने से रात महसूस हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अक्टूबर माह में बारिश, गर्मी

और ठंड का ट्रेड इसी तरह बकरार रहेगा। दो-तीन दिनों में पूर्वी और उत्तरी मध्य प्रदेश में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान बताया गया। सीधी, सिंगरौली, पन्ना, मऊगंज, छतरपुर, रीवा, सतना समेत ज्यादातर पूर्वी जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई। वहीं उत्तरी भाग भी इससे अछूता नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आज मुर्ना, भिंड, ग्वालियर और दतिया में आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने के आसार हैं। इन चारों जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रभावित जिले वासियों से सावधान रहने की अपील की है।

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना

बीजिंग।एजेंसी

चीन की महान दीवार का एक दूरस्थ हिस्सा पिछले 20 वर्षों से खदान का कचरा फेंके जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' ने रविवार को बताया कि शांक्सी प्रांत की निंगवू काउंटी में मिंग राजवंश के दौर की इस प्राचीन दीवार के पत्थरों को कोयला खदान के कचरे को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया गया। दूसरी तरफ व्हिसलब्लोअर द्वारा स्थानीय अधिकारियों को बार-बार इस सिलसिले में आगाह भी किया गया था। दीवार को नुकसान पहुंचना 2007 में उस समय शुरू हुआ, जब बिना लाइसेंस के काम कर रही कंपनी 'निंगवू चाओकाई कोल इंडस्ट्री' ने खदान के कचरे को निपटाने के लिए इस संरचना के बीच से तोड़फोड़ की थी। 2015 से व्हिसलब्लोअर द्वारा बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद स्थानीय अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की, जिससे तोड़फोड़ लगभग दो दशकों तक जारी रही।

कोयला खदान के कचरे से टूटी प्राचीन दीवार



अमृतसर एयरपोर्ट पर दिखे ड्रोन: मचा हड़कंप रनवे बंद; एयर इंडिया समेत तीन उड़ानें डायवर्ट

अमृतसर। एजेंसी

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद रविवार रात सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के आसमान में दो से तीन ड्रोन उड़ते देखे जाने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर रनवे का संचालन रोक दिया गया। इसके चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। अचानक उड़ानों का मार्ग बदलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9:30 बजे एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने परिसर और आसपास के आसमान में संदिग्ध ड्रोन उड़ते देखे। जवानों ने तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई और एहतियातन हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन रोक दिया गया।



तीन उड़ानों को किया गया डायवर्ट

ड्रोन गतिविधि के कारण दिल्ली से अमृतसर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-855 को वापस दिल्ली भेज दिया गया। मुंबई से अमृतसर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5028 को चंडीगढ़ और कुआलालंपुर से आ रही मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-118 को दिल्ली डायवर्ट किया गया। उड़ानों का मार्ग बदले जाने से कई यात्री एयरपोर्ट पर फंस गए।

देहरादून में फर्नीचर दुकान में लगी आग, मची अफरा तफरी



देहरादून। एजेंसी

शहर के मोती बाजार स्थित देवकी कॉम्प्लेक्स में सोमवार को फर्नीचर की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। फर्नीचर की दुकान में आग लगने से आसपास की दुकानों में भी खतरे की आशंका बनी हुई है। मौके पर आग बुझाने का काम जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग से कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन भी नहीं हो सका है।

न्यूज विंडो

नाइटी पहनकर एंबुलेंस से आए नकाबपोश चोरों ने एटीएम लूटा



हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में अज्ञात बदमाश एम्बुलेंस से आए और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को कटर से काटकर नकदी लेकर फरार हो गए। अपनी पहचान छिपाने के लिए एंबुलेंस से आए बदमाशों ने नाइटी और मास्क पहन रखे थे। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों को एम्बुलेंस से आते, नाइटी और मास्क पहने हुए, कटर से एटीएम को नुकसान पहुंचाते और कैश लेकर भागते हुए देखा गया। आरोप है कि संदिग्धों ने कटिंग इक्विपमेंट का इस्तेमाल करके एटीएम को नुकसान पहुंचाया।

रेलवे स्टेशन पर यात्री को सीपीआर देकर बबलू ने बचाई जान, हो रही प्रशंसा



जम्मू। जम्मू रेलवे स्टेशन पर रेलकर्मी बबलू कुमार ने साहस, सूझबूझ और मानवता से मिसाल पेश की। ड्यूटी के दौरान अचानक अचेत होकर गिरे एक यात्री को उन्होंने करीब 10 मिनट तक सीपीआर देकर तत्काल मदद पहुंचाई। यात्री की सांसें व चेतना वापस आई। एसी विभाग में कार्यरत सहायक बबलू कुमार रविवार को स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6-7 पर पर ट्रेनों के आवागमन से संबंधित ड्यूटी संभाल रहे थे। प्लेटफार्म पर पहुंची झेलम एक्सप्रेस (11077) से एक यात्री उतर कर बेंच पर बैठा था। कुछ देर बाद अचानक वहीं अचेत होकर गिर पड़ा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए बबलू ने सीपीआर देना शुरू कर दिया।

मनसा देवी मंदिर में हरियाणा की पहली टूरिस्ट पुलिस पोस्ट शुरू

चंडीगढ़। एजेंसी

पंचकुला स्थित माता मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए अब थाने तक नहीं जाना पड़ेगा। मंदिर परिसर में ही शिकायत और एफआईआर संबंधी सुविधा देने के लिए हरियाणा की पहली टूरिस्ट पुलिस पोस्ट शुरू की गई है। मुख्यमंत्री नाथब सिंह सैनी ने रविवार को इसका उद्घाटन किया। यहां 20 विशेष रूप से प्रशिक्षित जवान तैनात रहेंगे और 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से मंदिर परिसर की निगरानी होगी।

टूरिस्ट पुलिस पोस्ट पर श्रद्धालुओं को दर्शन की कतार, प्रसाद, लंपार, जूता घर और पार्किंग के साथ बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा ऑटो-ई-रिक्शा की सुविधा के बारे में जानकारी मिलेगी। दूसरे राज्यों



से आने वाले श्रद्धालुओं को मदद के लिए जवानों को संवाद और व्यवहार का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उनकी अलग वर्दी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें आसानी से पहचाना जा सके। पोस्ट में स्थापित नियंत्रण कक्ष से 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की लाइव निगरानी की जाएगी। इससे संदिग्ध गतिविधियों, जेबकतरो और चैन स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

मेट्रो एंकर

2004 की बैच के आईएएस अफसर हैं तुकाराम मुंटे, 21 साल में 25 तबादले

रियल लाइफ सिंधम को बनाया महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग का सचिव, थमा विवाद

नई दिल्ली। एजेंसी

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) का भर्ती परीक्षा विवाद आखिरकार थम गया है। पुणे में 10 दिन से चल रहे अभ्यर्थियों के आंदोलन के बाद सीनियर आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंटे को एमपीएससी समिति का सचिव बनाया गया है। वहीं, चेयरमैन विवेक भीमांवर जांच पूरी होने तक छुट्टी पर चले गए हैं। सरकार ने 70 हजार पदों पर भर्ती की मांग भी मान ली है। एमपीएससी में लंबे समय से चल रहा घमासान अब नए मोड़ पर आ गया है। पुणे में पिछले 10 दिनों से अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर डटे अभ्यर्थियों का गुस्सा आखिरकार शांत हो गया है।



सरकार ने उनकी मुख्य मांगें मान ली हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले में सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि तेज-तर्रार और सख्त कार्यशैली के लिए मशहूर

आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंटे को एमपीएससी सुधार समिति का सचिव नियुक्त किया गया है। तुकाराम मुंटे को एमपीएससी में बड़ी जिम्मेदारी मिलना सिर्फ प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि ट्रांसपेरेंसी, सिस्टम की जवाबदेही और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है। तुकाराम मुंटे के नाम मात्र से ही विरोध प्रदर्शन थम गए। इनका नाम देश-विदेश में काफी प्रचलित है। अब हर किसी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आईएएस तुकाराम मुंटे के नेतृत्व में बनने वाली यह जांच समिति सिस्टम में कितनी पारदर्शिता और सुधार ला पाती है।

कौन हैं आईएएस तुकाराम मुंटे?

आईएएस तुकाराम मुंटे का नाम सुनते ही महाराष्ट्र के प्रशासनिक गलियारों में हलचल मच जाती है। 2004 की यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 20 हासिल करने वाले मुंटे अपनी ईमानदारी और सख्त फैसलों के लिए जाने जाते हैं। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले और बचपन में नंगे पैर स्कूल जाने वाले तुकाराम ने बिना किसी कोचिंग के यह मुकाम हासिल किया था। अपने 21 साल के करियर में 25 से अधिक तबादले झेल चुके मुंटे को लोग प्यार से 'सिंधम' बुलाते हैं।

हंदवाड़ा में कार और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में हंदवाड़ा के नेलीपोरा मामाम इलाके में रविवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। हादसा एक ऑल्टो कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर के कारण हुआ। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नेलीपोरा मामाम मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही ऑल्टो कार और मोटरसाइकिल में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग और पुलिस दल मौके पर पहुंचे तथा शवों को कब्जे में लेने के साथ घायल को तत्काल इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हंदवाड़ा पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।